भारतीय निशानेबाज मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक 2024 में इतिहास रच दिया है। मनु भाकर ने भारत को पहला पदक दिलाते हुए महिला 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में कांस्य पदक अपने नाम कर लिया है।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक: 86 दिनांक:29-07-2024 सोमवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी रविवार को बंगलूरू में भाजपा-जेडीएस नेताओं की एक बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे।अचानक उनकी नाक से खून गिरने लगा। अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

तेज बारिश से जनजीवन अस्तव्यस्त, पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन

-दिल्ली में मौसम खेल रहा आंख मिचौली, देश के कई राज्यों में बाढ़ जैसे हालात

नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली में मौसम आंख मिचौली खेल रहा है कभी बारिश तो कभी धूप निकल रही है। उमस भरी गर्मी से लोग परेशान हैं। वहीं, देश के पहाड़ों इलाकों में भूस्खलन के साथ बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह से अस्तव्यस्त कर दिया है। राजस्थान के ज्यादातर इलाकों में हल्की से भारी बारिश जारी है। असम, पश्चिम बंगाल के साथ ही महाराष्ट्र के कोल्हापुर और आसपास के इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बने गए हैं। कोल्हापुर जिले में पिछले दो दिनों से भारी बारिश का दौर जारी है। इस बारिश के कारण जिले के 83 बांध पानी में समा गए हैं। ओडिशा में मौसम विभाग ने भारी बारिश के चलते 13 जिलों में हाई अलर्ट जारी किया हुआ है।

दिल्ली के कुछ हिस्सों में शनिवार को बारिश हुई। शहर में अधिकतम तापमान 36.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो औसत से 1.4 डिग्री ज्यादा था। मौसम विभाग ने रविवार को दिल्ली में बादल छाए रहने और हल्की बारिश होने की संभावना जताई है। इस दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान 36 और 29 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। वहीं, नोएडा और गुड़गांव में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले कुछ दिन तक हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। वहीं उत्तरप्रदेश के कई शहर में मध्यम से तेज बारिश हुई। हालांकि, बारिश के बाद धूप से उमस ने लोगों को परेशान कर दिया। दिनभर उमस के कारण लोग बेहाल रहे। शनिवार को दिन का पारा 37 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं रात का पारा 29 डिग्री सेल्सियस रहा। लखनऊ में मौसम में कोई खास बदलाव देखने को नहीं मिलेगा। रविवार को आंशिक बादल छाए रहेंगे और छिटपुट बारिश की उम्मीद है। तापमान में मामूली इजाफा हो सकता है।

मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एम दानिश ने बताया कि अगले दो दिन पूरे प्रदेश में छिटपुट बारिश हो सकती है। 30 जुलाई से मौसम में बदलाव हो सकता है। 30 जुलाई से मानसून ट्रफ के उत्तर की तरफ आ सकता है जो अभी दक्षिण की तरफ है। इसके कारण बारिश में कमी आ रही है।

उत्तराखंड के कई इलाकों में बारिश और भूस्खलन हो रहा है। रुद्रप्रयाग जिले में शनिवार को सोनप्रयाग स्थित सोन नदी के तेज बहाव से सड़क का एक हिस्सा बह गया। रास्ते को खोलकर करीब 2500 श्रद्धालुओं का रेस्क्यू किया गया। बारिश के कारण रुद्रप्रयाग में कोटेश्वर महादेव गुफा में भी पानी भर गया है। उत्तरकाशी जिले के गंगोत्री में भागीरथी का जलस्तर बढ़ने से उसका जलस्तर गंगोत्री में आरती स्थल भागीरथ शिला तक आ गया आया है। गढ़वाल क्षेत्र में अलकनंदा और मंदाकिनी नदियां खतरे के निशान के करीब पहुंच गई हैं।

शिमला मौसम विभाग ने 31 जुलाई तक राज्य के आठ जिलों में भारी बारिश की चेतावनी देते हुए 'येलो' अलर्ट जारी किया जबकि दो अगस्त तक बारिश जारी रहने का पूर्वानुमान जताया है। मौसम विभाग ने तेज हवाओं के कारण बागानों, खड़ी फसलों, कमजोर संरचनाओं और 'कच्चे' मकानों को नुकसान पहुंचने और निचले इलाकों में जलभराव की चेतावनी दी है। प्रदेश में 27 जून को मानसून की शुरुआत के बाद से बारिश से संबंधित घटनाओं में 56 लोगों की मौत हो गई है।

बिहार के अधिकांश जिले बारिश का इंतजार कर रहे हैं। पटना, वैशाली, मुजफ्फरपुर जैसे जिलों में बादलों की बेरुखी ने किसानों की उम्मीदें तोड़ दी हैं। खेत सूखने लगे हैं। धान की फसल झुलसने लगी है। किसान निराश और चिंतित हैं। मौसम विभाग की मानें तो अभी बारिश की उम्मीद नहीं है। हालांकि कई जिलों में हल्की बारिश की उम्मीद है। धान का कटोरा कहे जाने वाला शाहाबाद में भी इस साल सामान्य से कम बारिश हुई।

राजस्थान में बारिश का दौर जारी है। बीते 24 घंटे में बांसवाड़ा, बूंदी, भरतपुर जिले में मूसलाधार बारिश हुई। मौसम केंद्र के मुताबिक आगामी एक सप्ताह मानसून सक्रिय रहने और बारिश होने की संभावना है। मौसम केंद्र के मुताबिक उत्तरी बंगाल की खाड़ी व बांग्लादेश, पश्चिम बंगाल तट पर एक निम्न दबाव का क्षेत्र बन गया है। उपरोक्त तंत्र के प्रभाव से पूर्वी राजस्थान के अनेक स्थानों पर एक सप्ताह मानसून सक्रिय रहने और बारिश होने की संभावना है।

उत्तरी बंगाल की खाड़ी और उससे लगे बांग्लादेश के तटीय क्षेत्रों और गंगीय पश्चिम बंगाल में एक महीने में तीसरी बार निम्न दबाव का क्षेत्र बनने से अगले चार दिनों तक ओडिशा के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक 13 जिलों को हाई अलर्ट पर रखा है क्योंकि उत्तरी ओडिशा में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

निशानेबाज मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य जीतकर इतिहास रचा

भारत को पहला पदक मिला

पेरिस(ईएमएस)। पेरिस ओलंपिक 2024 में रविवार को भारत का पदक का खाता खुल गया है। भारत को पहला पदक दिलाने वाली स्टार निशानेबाज मनु भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य जीतकर इतिहास रच दिया है। इसी के साथ निशानेबाजी में मनु इस बार कोई भी पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने दूसरी बार ही ओलंपिक में हिस्सा लिया है।

पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के साथ ही भारतीय निशानेबाज मनु भाकर ने इतिहास रच दिया है। यह मनु भाकर का दूसरा ही ओलंपिक रहा है। इससे पहले उन्होंने पिछले टोक्यो ओलंपिक 2020 में डेब्यू किया था, लेकिन 10 मीटर एयर पिस्टल क्वालिफिकेशन राउंड के दौरान उनकी पिस्टल में खराबी आ गई थी, जिस कारण वो पदक नहीं जीत पायी थी पर इस बार मनु ने कोई गलती नहीं की।

भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में तीसरे स्थान पर रहते हुए कांस्य पदक जीता है। मनु 10 मीटर एयर पिस्टल में ओलंपिक कांस्य पदक जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट बन गयी हैं। उन्होंने 221.7 के कुल स्कोर के साथ ही कांस्य पदक हासिल किया। वह रजत जीत के करीब पहुंच गयी थी पर अंतिम समय में कोरियाई निशानेबाज किम येजी ने बढ़त हासिल कर ली। किम ने 241.3 के स्कोर के साथ रजत पर निशाना साधाद्य। वहीं कोरिया की ही ओ ये जिन ने 243.2 के साथ रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता। मनु ने मुकाबले में 10.6 शॉट से शुरुआत की। 10.9 सर्वश्रेष्ठ है जो 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के हासिल किया जा सकता है। भाकर का दूसरा शॉट 10.2 है और उनका तीसरा शॉट 9.5 पर आ गया है।

कोचिंग सेंटर हादसे के बाद दिल्ली नगर निगम व पुलिस प्रशासन एक्शन में

-बेसमेंट में चलाई जा रही कोचिंग संस्थानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश

नई दिल्ली,(ईएमएस)। देश राजधानी दिल्ली के एक कोचिंग सेंटर के 'बेसमेंट' में बारिश का पानी भर जाने से तीन छात्रों की मौत होने के बाद दिल्ली महापौर शैली ओबेरॉय ने सख्त एक्शन लिया और रविवार को निर्देश दिया कि 'बेसमेंट' में चलाई की जा रही व्यावसायिक गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने दिल्ली नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिया कि दिल्ली में एमसीडी के अधिकार क्षेत्र में आने वाली सभी कोचिंग संस्थानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें, जो 'बेसमेंट' में संचालित हो रही हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसे भवन उपनियमों का उल्लंघन हैं और मानदंडों के अनुरूप नहीं बनाए गए हैं। ओबेरॉय ने इस बात के लिए भी कहा कि क्या इस घटना के लिए एमसीडी का कोई अधिकारी जिम्मेदार है। बता दें मध्य दिल्ली के 'ओल्ड राजेंद्र नगर' इलाके में भारी बारिश के बाद एक कोचिंग सेंटर के 'बेसमेंट' में पानी भर जाने से शनिवार को यूपीएससी की तैयारी कर रहे तीन छात्रों की मौत हो गई थी।

ओबेरॉय ने कहा कि राजेंद्र नगर में एक निजी कोचिंग संस्थान में पानी भर जाने से तीन की जान चली गई। यह बहुत ही दुखद घटना है। इस घटना की गहन जांच किए जाने और मामले में त्वरित एवं सख्त कार्रवाई की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह तय करना भी हमारी जिम्मेदारी है कि दिल्ली के किसी भी इलाके में ऐसी घटना दोबारा न हो।

कोचिंग सेंटर का मालिक और कोऑर्डिनेटर गिरफ्तार

ओल्ड राजेंद्र नगर में शनिवार को हुए हादसे में दिल्ली पुलिस ने रविवार को कोचिंग सेंटर के मालिक और कोऑर्डिनेटर को गिरफ्तार किया है। दोनों पर गैर-इरादतन हत्या समेत कई अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। डीसीपी सेंट्रल एम हर्षवर्द्धन ने घटना पर कहा कि इस घटना में बेसमेंट से तीन शव बरामद किए गए। तीनों की पहचान कर ली गई है और परिजनों को सूचना दे दी गई है। इसमें श्रेया यादव यूपी के अंबेडकर नगर, तान्या सोनी तेलंगाना और निविन दल्विन केरल के एर्नाकुलम के रहने वाले हैं। उन्होंने कोचिंग सेंटर के मालिक और कोऑर्डिनेटर को हिरासत में लेने पर कहा कि यह मामला कोचिंग संस्थान और इमारत के प्रबंधन और उन लोगों के खिलाफ है जो उस जगह के नाले के रखरखाव के लिए जिम्मेदार थे। कोचिंग सेंटर के मालिक और कोऑर्डिनेटर को हिरासत में लिया है। इसमें जो दोषी पाए जाएंगे उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सुरक्षा मानकों की जांच कराए सरकार: अभाविप

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने कोचिंग सेंटर में पानी भरने से विद्यार्थियों की मौत पर शोक व्यक्त किया है और सरकार से राजधानी के सभी कोचिंग सेंटरों और छात्रावासों के सुरक्षा मानकों की जांच कराने की मांग की है। अभाविप ने कहा कि यह अत्यंत दुखद है कि दिल्ली सरकार की लापरवाही के कारण दिल्ली में कोचिंग सेंटर सुरक्षा मानकों को पूरा किए बिना संचालित हो रहे हैं। बीते महीनों में कोचिंग सेंटर में आग लगने सहित कई घटनाएं सामने आईं हैं, जो दिल्ली सरकार और कोचिंग संचालकों की विद्यार्थियों की सुरक्षा की नाममात्र की भी चिंता नहीं होने की वास्तविकता को उजागर करती है। छात्रों की सुरक्षा को किसी भी कीमत पर अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए।

79 लोकसभा सीटों की मतगणना पर हुई है गड़बड़ी, वोट फॉर डेमोक्रेसी ने की जांच के मांग

नई दिल्ली (ईएमएस)। वोट फॉर डेमोक्रेसी नाम की संस्था,जो चुनाव के सभी विषयों पर अपनी नजर रखती है। इसमें सेवानिवृत्ति भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा, अर्थशास्त्री, प्रोफेसर,सामाजिक कार्यकर्ता, पत्रकार एवं अन्य नौकरशाह शामिल हैं। इस संस्था ने 2024 के लोकसभा चुनाव पर 226 पन्नों की एक रिपोर्ट तैयार की है। इस रिपोर्ट में कहा गया है,वोट कम पड़े थे, ज्यादा वोटो की गिनती हुई है। डाले गए मतों से गिने गए मतों की संख्या 5 करोड़ अधिक है। चुनाव आयोग की वेबसाइट मैं इस गड़बड़ी का कोई मिलान नहीं होता है। वेबसाइट में चुनाव आयोग ने संपूर्ण डाटा अभी तक नहीं डाला है। जो भी जानकारी डाली गई है, वह अपूर्ण है।

वोट फॉर डेमोक्रेटिक संस्था द्वारा चुनाव आयोग से ईवीएम मशीन के संबंध में जानकारी मांगी गई थी। जिसका जवाब चुनाव आयोग ने नहीं दिया। वोट फॉर डेमोक्रेसी नामक संस्था ने अपनी 226 पन्नों की रिपोर्ट में 79 लोकसभा सीटों में गड़बड़ी किए जाने की बात कही है। यह रिपोर्ट चुनाव आयोग को दस्तावेजों के साथ सौंपी गई है। चुनाव आयोग द्वारा अभी तक कोई जवाब नहीं दिया है।

वोट फॉर डेमोक्रेसी ने विपक्षी दलों को भी यह रिपोर्ट दी है। अभी तक किसी भी विपक्षी दल ने इस मामले में कोई रुचि नहीं ली है। संस्था का कहना है, अभी तक चुनाव आयोग ने वेबसाइट पर डेटा अपलोड नहीं किया है। संस्था ने आरोप लगाया है, लोकसभा चुनाव के पड़े वोटो और गिने गए वोटो मे भारी अंतर है। लोकसभा की 79 सीटों पर स्पष्ट रूप से गड़बड़ी हुई है। कई राज्यों में 12।5 फीसदी तक वोट बढे हैं। 542 लोकसभा सीटों के चुनाव हुए हैं। 539 लोकसभा सीटों के मतदान और मतगणना के आंकड़ों में अंतर है। 140 सीटों पर जितने वोट पड़े थे।उनसे ज्यादा वोटो की मतगणना हुई है।प्रत्येक मतदान केंद्र के फॉर्म 27 ए की जानकारी अपलोड नही की गई है। चुनाव आयोग ने जो नियम बनाए हैं।उनका पालन भी चुनाव आयोग ने नहीं किया है।जिन मतदान केंद्रों में अंतर पाया गया था।उनमें बीवीपेट की पर्चियों को गिना जाना था। चुनाव आयोग ने उसकी भी गिनती नहीं कराई।

वोट फॉर डेमोक्रेसी ने रिपोर्ट के अनुसार मामले की जांच कराने की मांग चुनाव आयोग से की है। चुनाव आयोग जल्द जवाब नहीं देता है, ऐसी स्थिति में संस्था कोर्ट जाने की तैयारी कर रही है। संस्था रिपोर्ट का सभी भारतीय भाषाओं में अनुवाद करा रही है। ताकि रिपोर्ट की जानकारी सभी भाषाओं के मतदाताओं तक आसानी से पहुंचे। चुनाव में जो गड़बड़ियां हुई है। उसके बारे में मतदाताओं को भी जानकारी हो।

आयकर विवरणी भरने की अंतिम तारीख 31 जुलाई, रो-रो कर चल रहा है सर्वर

नई दिल्ली (ईएमएस)। वर्ष 2024-25 की विवरणी भरने की अंतिम तारीख 31 जुलाई है। मात्र 3 दिन रिटर्न भरने के बचे हैं। आयकर विभाग का सर्वर रो-रो कर चल रहा है। शनिवार की सुबह 3 बजे सरवर का मेंटेनेंस किया जा रहा था। सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक सरवर पूरी तरह से बंद था। जैसे-तैसे सर्वर चालू हुआ। 10 से 12 मिनट में एक रिटर्न भर जाती है, लेकिन इसको भरने में आधा घंटा से ज्यादा का समय लग रहा था।

सरवर में पिछले कई दिनों से यह परेशानी चल रही है। आयकरदाता, सीए और वकील आयकर रिटर्न भरने के लिए परेशान हो रहे हैं। कर सलाहकारों के यहांरिटर्न भरने के लिए लंबी लाइन लगी हुई है। सीए के कर्मचारी 18-18 घंटे काम कर रहे हैं। इसके बाद भी आयकर विवरणी सरवर के कारण नहीं भर पा रहे हैं। आयकर विभाग आए दिन अपने पोर्टल पर नए-नए बदलाव करता है। जिसके कारण बार-बार सरवर बंद हो जाता है। आयकर विवरणी भरने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

साउथ कोरिया की बीमारी ने भारत में दी दस्तक, अब मचा हाहाकार

हैदराबाद(ईएमएस)। साउथ कोरिया में नोरोवायरस ने तांडव मचाया और 1000 लोगों से ज्यादा लोगों को बीमार कर दिया। अब यही नोरोवायरस हैदराबाद में फैल रहा है। जिससे हैदराबाद के लोग खौफ में जी रहे हैं। हर दिन लगभग 100 से 120 मामले सामने आ रहे हैं। हर दिन सौ से ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। नोरो वायरस से पीड़ित सैकड़ों लोग सरकारी और निजी अस्पतालों और क्लीनिकों में आ रहे हैं। कुछ की हालत गंभीर हो गई है और उनका इलाज आईसीयू में वेंटिलेटर पर किया जा रहा है। इस तरह नोरोवायरस हैदराबादवासियों को दहशत में डाल रहा है।

पीड़ित लोगों को बिना देर किए चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए। अन्यथा स्थिति घातक होने का खतरा है। हैदराबाद में कई लोग इन लक्षणों से पीड़ित हैं और उनका इलाज वेंटिलेटर पर किया जा रहा है। नोरो वायरस दूषित भोजन और पानी के सेवन से संक्रमित होता है। प्रदूषित वातावरण भी इस वायरस के फैलने का कारण बनता है। यह संक्रामक ध्रष्ठ इसलिए एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में तेजी से फैलता है। जो लोग संक्रमित लोगों के निकट संपर्क में आते हैं वे आसानी से इस वायरस से संक्रमित हो सकते हैं। बता दें कि सबसे तेजी से फैलने वाला नोरो वायरस हैदराबादवासियों को डरा रहा है। यह काफी तेजी से फैल रहा है और लोगों में भ्रम पैदा कर रहा है कि आखिर उन्हें हो क्या रहा है। कुछ ही दिनों में सैकड़ों मामले सामने आ रहे हैं जिससे अब शहरवासी चिंतित हैं। हेल्थ विभाग के अधिकारी सतर्क हो गए हैं। शहरवासियों को महत्वपूर्ण निर्देश दी जा रही हैं। चूंकि यह एक महामारी है, यह तेजी से फैल रही है।। इससे पता चलता है कि अगर कई सावधानियां बरती जाएं तो इससे बचा जा सकता है। खासकर पुराने शहर इलाके में, कई लोग उल्टी और दस्त से पीड़ित हैं। दबीर पुरा, याकूत पुरा, पुराना हवेली, मुगल पुरा, मलक पटे जैसे इलाकों के लोग ज्यादा बीमार हो रहे हैं।

राजस्थान में सोरों जा रही बस पलटी, 14 यात्री घायल, कई गंभीर

हाथरस,(ईएमएस)। राजस्थान से सोरों जा रही एक निजी बस रविवार सुबह रति का नगला के पास पलट गई। इसमें सवार 14 यात्री घायल हो गए हैं। इनमें अधिकांश राजस्थान के बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। कुछ लोगों को गंभीर हालत में इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

जानकारी के मुताबिक एक स्लीपर बस रविवार सुबह हाथरस से बरेली की तरफ जा रही थी। बस में करीब 50 यात्री सवार थे। बस सिकंदराराऊ रोड पर रति का नगला के पास पहुंची तो बेकाबू हो गई। कुछ दूर जाने के बाद पलट गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। लोगों ने पुलिस को हादसे की जानकारी दी।

स्थानीय पुलिस के अलावा एसडीम भी मौके पर पहुंच गए। एंबुलेंस से घायलों को सिकंदराराऊ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां कुछ यात्रियों को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया गया है। माना जा रहा है कि चालक को नींद का झपकी आने से यह हादसा हुआ। बस में सवार अधिकांश यात्री राजस्थान से कासगंज जिले के सोरों जाने के लिए बैठे थे। एसडीएम धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि रति का नगला के नजदीक बस अनियंत्रित होकर पलट गई थी। घायलों का इलाज चल रहा है।

भारत के मिसाइल टेस्ट की निगरानी करने चीन ने भेजा जासूसी जहाज

- मात्र 120 मील की दूरी से नजर रख रहा चीन

?नई ?दिल्ली (ईएमएस)। चीन ने अपने जासूसी जहाज जियांग यांग होंग 03 को हिंद महासागर में भेजा है। चीन इस जहाज को रिसर्च जहाज बताता है। लेकिन बताया गया है कि यह जहाज जासूसी में इस्तेमाल होता है। लेकिन चीन की ओर से इस जहाज को भेजने का समय बेहद खास है। जहाज को ऐसे समय पर भेजा गया है जब भारतीय नेवी सब सरफेस फायरिंग करने वाला है। चीन का जासूसी जहाज मिसाइल फायरिंग वाले इलाके से 222 किमी की दूरी पर है। ओपन सोर्स इंटेलिजेंस रिसर्चर ने एक ग्राफिक्स शेयर कर इसकी जानकारी दी है। इसमें उन्होंने बताया कि बंगाल की खाड़ी में लगभग 595 किमी के एरिया में भारतीय नौसेना सब सरफेस फायरिंग अभ्यास करने वाला है। चीन का समुद्री रिसर्च पोत जियांग यांग होंग 03 वर्तमान में बंगाल की खाड़ी में जा रहा है। यह अभ्यास वाली जगह से 120 समुद्री मील (222 किमी) दूरी पर चल रहा है। चीन ने संभवत: इसे जानकारी इकट्ठा करने के लिए भेजा होगा। इससे पहले भी जब भारत को मिसाइल लॉन्च करना था तब भी चीन ने अपने जासूसी जहाजों को भेजा था। मार्च में भारत की ओर से ओडिशा तट पर मिसाइल लॉन्च के लिए अलार्म जारी किया गया था। इसके कुछ दिनों बाद एक चीनी रिसर्च जहाज भारत के पूर्वी समुद्री तट पर पहुंच गया। इसके बाद अग्नि पांच मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया था। पीएम मोदी ने एक्स पर इसकी पुष्टि की थी। तब चीन ने जियान यांग होंग-1 जासूसी जहाज को भेजा था। चीन के ये कथित रिसर्च जहाज जासूसी के लिए इस्तेमाल होते हैं। चीन का कहना है कि वह इनके जरिए समुद्र का शोध कर रहा है। लेकिन ??विशेषज्ञ चेतावनी दे चुके हैं कि इस जहाज में सैन्य ग्रेड के उपकरण लगे हो सकते हैं। यह समुद्र की मैपिंग कर सकता हैं जो भारत के साथ युद्ध में चीनी पनडुब्बियों को फायदा पहुंचाएगा। पहले यह जहाज श्रीलंका के बंदरगाह पर रुकते थे। लेकिन भारत के विरोध के बाद श्रीलंका ने इसे अपने तट पर रुकने से मना कर दिया। भारत से तनाव के बीच मालदीव ने चीन के जासूसी जहाज को अपने तट पर रुकने दिया। अप्रैल में यह जहाज दूसरी बार मालदीव के तट पर रुका था।

कर्नाटक में भूस्खलन, हाइवे 75 पर दोनों तरफ वाहन फंसे

शिरडी घाट (ईएमएस)। कर्नाटक के शिरडी घाट क्षेत्र में शनिवार को राष्ट्रीय राजमार्ग 75 पर हुए भारी भूस्खलन के चलते सैकड़ों वाहन फंसे हुए हैं। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा कि शनिवार को यहां शिरडी घाटी इलाके में भूस्खलन के कारण मंगलूरु और बेंगलूरु की ओर जाने वाले वाहन दोनों तरफ फंस गए हैं।

उन्होंने बताया कि राज्य राजमार्ग विभाग के कर्मचारी मलबा हटाने के काम में जुटे हैं तथा सड़क को रविवार सुबह तक साफ कर दिया जाएगा। उनके अनुसार इलाके में भारी वर्षा के कारण मलबे की सफाई में समय लग रहा है। अधिकारियों ने भूस्खलन के चलते हासन और दक्षिण कन्नड़ जिलों के परिवहन ऑपरेटरों और निजी वाहन चालकों को सावधान रहने की सलाह दी है।

कटरा से श्रीनगर के बीच में नहीं शुरू हो पा रही है रेल सेवा

- 33 नंबर की टनल पर लगातार पानी का रिसाव

- 41000 करोड़ खर्च करने के बाद भी नहीं जुड़ पाया श्रीनगर

नई दिल्ली (ईएमएस)। नई दिल्ली से श्रीनगर तक की रेल यात्रा के लिए 22 साल पहले 2500 करोड रुपए का प्रोजेक्ट बनाया गया था। इस प्रोजेक्ट में अभी तक 4100 करोड रुपए खर्च हो चुके हैं। इसके बाद भी श्रीनगर को रेल मार्ग से नहीं जोड़ा जा सका है।

उधमपुर-श्रीनगर बनिहाल रेल लिंक प्रोजेक्ट की आखिरी बाधा तमाम प्रयासों के बाद भी दूर नहीं हो पा रही है। 34 किलोमीटर के कटरा-रियासी रेल मार्ग मैं जो 3.2 किलोमीटर लंबी टनल मे लगातार पानी का रिसाव हो रहा है। पहाड़ से तेजी से पानी टनल में आ रहा है। 30 इंजीनियर और सैकड़ो मजदूर 7 महीने से पानी के इस रिसाव को बंद करने की कोशिश कर रहे हैं। सारे प्रयासों के बाद भी,अभी तक पानी का रिसाव बंद नहीं हो पा रहा है।

डोलोमाइट पहाड़ पर टनल तैयार की गई है। जिसके कारण पहाड़ से लगातार पानी का रिसाव टनल में हो रहा है। रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी द्वारा कहा जा रहा है। दिसंबर के पहले इस रिसाव को बंद करके जम्मू श्रीनगर के बीच का रेल सफर शुरू हो जाएगा। सड़क मार्ग से श्रीनगर जाने में जम्मू से अभी 12 घंटे का समय लगता है। रेल शुरू हो जाने के बाद यह सफर 6 घंटे में पूरा हो सकेगा। श्रीनगर जाने वाली ट्रेन चिनाव रेल ब्रिज से होकर गुजरेगी। यह दुनिया का सबसे ऊंचाई वाला रेल ब्रिज होगा।

ओडिशा में 'पोटैटो पॉलिटिक्स', बीजू ने की गुहार तो सीएम ने की ममता से मुलाकात

- पश्चिम बंगाल में हड़ताल के चलते नहीं हो रही आलू की सप्लाई

नई दिल्ली,(ईएमएस)। ओडिशा में 'पोटैटो पॉलिटिक्स' देखने को मिल रही है। यहां आलू सप्लाई में कमी के चलते दाम आसमान पर पहुंच गए हैं। सत्ता पक्ष और विपक्ष पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी से गुहार लगा रहा है। बीजेपी और बीजू जनता दल के बीच दौड़ लगी है कि कौन ममता दीदी तक पहले पहुंचकर अपनी बात रखेगा।

विपक्ष के नेता और पूर्व सीएम नवीन पटनायक ने इसको लेकर ममता बनर्जी को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने पर्याप्त आलू सप्लाई के लिए कहा है। उन्होंने लिखा कि बारिश के चलते ओडिशा में आलू सप्लाई पर बुरा असर पड़ रहा है। इसके चलते दाम बहुत ज्यादा बढ़ गए हैं, जिससे आम लोगों को परेशानी हो रही है। इसके एक दिन बाद ही ओडिशा के सीएम मोहन माझी ने नई दिल्ली में नीति आयोग की बैठक से इतर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मामले पर ध्यान देने के लिए कहा है।

पश्चिम बंगाल में आलू व्यापारी इन दिनों हड़ताल पर हैं। उन्होंने प्रदेश की पुलिस और प्रशासन पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है। इससे पश्चिम बंगाल में भी आलू के दाम आसमान छू रहे हैं। आलू के दाम पर नियंत्रण के लिए पश्चिम बंगाल ने अन्य राज्यों में सप्लाई रोक दी है।

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल देश के सबसे बड़े आलू उत्पादकों में शामिल है। भारत सरकार के एग्री एक्सचेंज ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के मुताबिक 2021-22 में पश्चिम बंगाल का आलू उत्पादन में शेयर 23.51 रहा है। यूपी के 29.65 फीसदी के साथ इस मामले में आगे है। ओडिशा में आलू की खपत बहुत ज्यादा है और इसके लिए वह पश्चिम बंगाल पर निर्भर रहता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ओडिशा में हर साल 13 लाख मीट्रिक टन आलू की खपत होती है। जबकि वह तीन लाख मीट्रिक टन से भी कम आलू की खेती कर पाते हैं।

आलू की सप्लाई में कमी के चलते ओडिशा में इसके दाम बहुत ज्यादा बढ़ गए हैं। सरकार ने आदेश दिया है कि आलू 32 रुपए प्रतिकिलो से ज्यादा दाम पर नहीं बेचा जाना चाहिए लेकिन फुटकर बाजार में यह 50 से 55 रुपए प्रति किलो के हिसाब से बिक रहा है। ओडिशा की फूड सप्लाई और कंज्यूमर वेलफेयर मंत्री चंद्रा पात्रा ने कहा कि दोनों प्रदेशों की सरकार सप्लाई को सुचारु रूप से जारी रखने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के अधिकारियों ने बताया है

देशभर में 20 से अधिक महिलाओं के साथ शादी कर उनसे ठगी करने वाला शख्स गिरफ्तार

मुंबई, (ईएमएस)। मुंबई से सटे पालघर पुलिस ने एक ऐसे शख्स को गिरफ्तार किया है जिसने देशभर में 20 से अधिक महिलाओं के साथ शादी कर उनसे ठगी की वारदात को अंजाम दिया. एक अधिकारी ने कहा कि नाला सोपारा निवासी एक महिला की शिकायत की जांच कर रही मीरा-भायंदर-वसई-विरार (एमबीवीवी) पुलिस ने 23 जुलाई को मुंबई से सटे कल्याण से आरोपी फिरोज नियाज शेख को गिरफ्तार किया. शिकायतकर्ता के अनुसार, आरोपी ने एक वैवाहिक वेबसाइट पर उससे दोस्ती की और फिर उससे शादी की. शेख ने अक्टूबर और नवंबर 2023 में महिला से 6.5 लाख रुपये की नकदी, एक लैपटॉप और अन्य कीमती सामान लिए. पुलिस ने आरोपी के पास से एक लैपटॉप, मोबाइल फोन, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, चेकबुक और गहने बरामद किए हैं. पुलिस जांच में पता चला है कि शेख वैवाहिक साइट पर तलाकशुदा और विधवा महिलाओं से संपर्क करता था. इसके बाद वह महिलाओं से शादी कर उनकी कीमती वस्तुएं ठग लेता था. आरोपी ने 2015 से महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और गुजरात सहित देश के विभिन्न हिस्सों में 20 से अधिक महिलाओं से ठगी की है.

दुष्कर्म पीड़िताओं और गवाहों के लिए प्रोटेक्शन स्कीम 2024 लाने की तैयारी

भोपाल भोपाल (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश, भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के लागू होने के बाद सारे देश में विटनेस प्रोटेक्शन योजना लागू की जा रही है।

दुष्कर्म पीड़ताओं,महिलाओं, और जघन्य अपराध के गवाहों को सुरक्षा देने के लिए, मध्य प्रदेश सरकार विटनेस प्रोटेक्शन स्कीम 2024 तैयार कर रही है। प्रमुख गृह सचिव संजय दुबे के अनुसार दुष्कर्म पीड़िताओं और गवाहों की सुरक्षा के लिए नया बिल लाने की तैयारी शुरू हो गई है। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में यह कमेटी बनेगी। जो प्रोटक्शन बिल का प्रस्ताव तैयार करेगी। इसे जल्द ही कैबिनेट में भेजा जाएगा। कैबिनेट की मंजूरी मिल जाने के बाद इस योजना को लागू किया जाएगा। इस योजना का मुख्य उद्देश्य पीड़ित महिलाओं की सुरक्षा, जीवन यापन और गवाहों की सुरक्षा के विशेष प्रावधान होंगे।

इस कानून में पीड़ित महिला का नाम, पता बदलने का प्रावधान होगा। उनका पुनर्वास भी कराया जाएगा। अपराधी उनका पता ना लगा पायें,इसका भी प्रावधान किया जाएगा। कामकाजी महिलाओं के लिए सरकार फीस इत्यादि की व्यवस्था करेगी। प्रतिमाह मुआवजा देने की योजना भी इस प्रस्ताव में शामिल होगी।

प्रलोभन और बयान बदलने पर लगेगी रोक

इस नए प्रावधान से अदालत में गवाहों या पीड़िता के जो बयान दबाव से बदलवाये जाते हैं, उसमें रोक लगेगी। पीड़ताओं को सुरक्षा मिलेगी। उन्हें प्रलोभन नहीं दिया जा सकेगा। गवाह और पीड़िता के आवेदन पर उसके घर की सुरक्षा की जाएगी। सीसीटीवी,पुलिस सुरक्षा तथा किसी भी आकस्मिक स्थिति में सहायता दिए जाने का प्रावधान होगा।

हर साल 4000 से ज्यादा दुष्कर्म

कड़े कानून होने के बाद भी हर साल मध्य प्रदेश में दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। ओसतन 4000 से अधिक दुष्कर्म की घटनाएं प्रतिवर्ष हो रही हैं। इस स्थिति को देखते हुए तथा नई भारतीय न्याय संहिता और भारतीय नागरिक सुरक्षा सहायता लागू हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने जो निर्देश दिए हैं। उसके अनुसार नई पॉलिसी तैयार की जा रही है।

जन हितैषी

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जैसी बदहाली की स्थिति में ब्रिटेन

ब्रिटेन की आर्थिक स्थिति बहुत खराब है। कहा जा रहा है, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जिस तरह के हालात थे। वैसी ही स्थिति ब्रिटेन की 2024 में देखने को मिल रही है। ब्रिटेन की स्कूली शिक्षा, नेशनल हेल्थ सर्विस, बेरोजगारी, बुजुर्गों की दयनीय हालत, खाने-पीने के सामान की किल्लत, ईंधन की कमी, निर्माणकार्य के लिए उपयोग में आने वाले सामान की कमी से ब्रिटेन के नागरिक हलाकान हैं। विकासशील और गरीब देशों जैसे हालात ब्रिटेन के इन दिनों बन गए हैं। कंजरवेटिव पार्टी के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक थे। उन्होंने समय के पहले चुनाव कराए और बुरी तरह से पराजित हुए। जुलाई में हुए 650 सीटों के चुनाव में 412 सीटों पर लेबर पार्टी ने जीत हासिल की है। ऋषि सुनक की कंजरवेटिव पार्टी मात्र 120 सीटों पर सिमट गई। लिबरल डेमोक्रेट्स को 71 सीटों पर तथा 42 अन्य सांसद चुनाव में जीते हैं। कंजरवेटिव पार्टी की हार के पीछे सबसे बड़ा कारण महंगाई, बेरोजगारी एवं आर्थिक संकट था। ब्रिटेन में पिछली सरकार द्वारा लगातार टैक्स बढ़ाए गए। कॉर्पोरेट के ऊपर सरकार मेहरबान रही, ब्रिटेन की कॉर्पोरेट कंपनियां कर चोरी जैसे मामलों में लिप्त थीं, लेकिन सरकार द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। आम जनता में पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के खिलाफ जबरदस्त आक्रोश था। प्रधानमंत्री के रूप में ऋषि सुनक ब्रिटेन की आर्थिक चुनौतियों का सामना नहीं कर सके। अब लेबर पार्टी के कीर स्टार्मर प्रधानमंत्री बने हैं। उनके लिए चुनौतियां का पहाड़ खड़ा हुआ है। लेबर पार्टी ने चुनाव के समय कोई बड़े वादे नागरिकों से नहीं किये। विपक्ष में रहते हुए उन्होंने बड़ी सावधानी बरती थी। सरकार के लिए जो सबसे बड़ी चुनौतियां हैं, उन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ हल करना होगा। ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था वर्तमान में बहुत धीमी गति से चल रही है। पिछले 24 वर्षों से ब्रिटेन जी7 समूह का सदस्य है। ब्रिटेन का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 12 साल में सबसे कम है। ब्रिटेन की कई नगरीय संस्थाएं दिवालिया हो चुकी हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारी और अधिकारी अधिक वेतन की मांग कर रहे हैं। ब्रिटेन की जेलों में क्षमता से अधिक संख्या में कैदी बंद हैं। नेशनल हेल्थ सर्विस के पास पैसा नहीं है। इस कारण ब्रिटेन के नागरिकों को अस्पतालों में उपचार नहीं मिल पा रहा है। ब्रिटेन में स्कूली शिक्षा मुफ्त है, लेकिन वहां की भी हालत बहुत खराब है। सरकार के आर्थिक संकट का असर स्कूली शिक्षा में स्पष्ट रूप से देखने को मिल रहा है। ब्रिटेन के नागरिकों को ईंधन उपलब्ध नहीं हो रहा है। राशन में कालाबाजारी हो रही है। इस तरह की चुनौतियां ब्रिटेन के वर्तमान प्रधानमंत्री के सामने हैं। जल्द ही नई सरकार ने इनसे राहत दिलाने वाले निर्णय नहीं लिए तो ब्रिटेन की स्थिति विस्फोटक हो सकती है। ब्रिटेन में 2010 से सरकारी खर्चे में कटौती की जा रही है। इसका असर ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था में पड़ा है। निजी क्षेत्र के पास निवेश नहीं आ रहा है। नागरिकों को लगता है, ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से धराशाई हो चुकी है। इसके लिए वहां के नागिरक कंजरवेटिव पार्टी को जिम्मेदार मान रही है। हाल ही के चुनाव में लेबर पार्टी के पक्ष में मतदान करने के पीछे कंजरवेटिव पार्टी के खिलाफ गुस्सा है। लेबर पार्टी द्वारा चुनाव प्रचार के दौरान आर्थिक स्थितियों को जल्द से जल्द बेहतर बनाने का वायदा किया गया था। उसके कारण ब्रिटेन में लेबर पार्टी को ऐतिहासिक जीत मिली है। कोरोना महामारी के बाद ब्रिटेन के आर्थिक हालात बहुत खराब हुए हैं। ब्रिटेन की आर्थिक बदहाली का एहसास लेबर पार्टी को पहले से है। वर्तमान संकट की स्थिति में वह लोकप्रियता के चलते लोगों की सोच में बदलाव ला सकते हैं। वर्तमान स्थिति से निपटने के लिए ब्रिटेन की जनता को वास्तविक जानकारी देते हुए, उनका सहयोग भी ले सकती हैं। लेबर पार्टी सरकार की प्रथम प्राथमिकता रोजगार, शिक्षा, नेशनल हेल्थ स्कीम को ठीक करना है। लोगों को खाने-पीने का सामान आसानी से उपलब्ध हो, राशनिंग में जो कालाबाजारी हो रही है, उसको तुरंत रोकने के उपाय करना होंगे। दुनिया के सभी देशों की अर्थव्यवस्था में मंदी छाई हुई है। पिछले वर्षों में सरकार ने अपने खर्च बेतहाशा बढ़ाए थे। खर्च को पूरा करने के लिए टैक्स बड़ी मात्रा में लगाये हैं। जिसके कारण ब्रिटेन में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ी है। जिस तरह के हालात ब्रिटेन में बने हुए हैं, ब्रिटेन के नागरिकों ने इस स्थिति की कभी कल्पना नहीं की थी। ब्रिटेन में 75 से 80 साल से ऊपर के बुजुर्ग हैं। वह जरूर द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की याद करके आर्थिक स्थिति और बदहाली के अपने अनुभव बता रहे हैं। मौजूदा पीढ़ी ब्रिटेन की वर्तमान स्थिति से काफी नाराज है। वह चाहती है, कि सरकार रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर सेवाएं, महंगाई कम करने और रोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में ठोस काम करे। वर्तमान आर्थिक संकट में लेबर पार्टी के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर किस तरह से स्थितियों को संभालते हैं, यही उनकी सफलता और असफलता का कारण बनेगा। ब्रिटेन के वर्तमान हालात सारी दुनिया के देशों के लिए एक सबक हैं। पूंजीवादी व्यवस्था और विकास के बीच एक संतुलन आवश्यक है। मध्य और निम्न आय वर्ग के लोग अपनी रोजमर्रा की जरूरत पूरी नहीं कर पा रहे हैं वहीं अमीर और अमीर हो रहे हैं। सरकार जिस तरह की नीतियां बनाती है। उसका फायदा अमीरों को मिलता है। गरीब और मध्यम वर्ग कमजोर होता जा रहा है। इस पर समय रहते ध्यान देने की जरूरत है।

कांवड़ों के लिए पर्देदारी का मतलब

भारत के नीति आयोग की नौवीं बैठक से बंगाल की मुख्यमंत्री सुश्री ममता बनर्जी के बहिष्कार की बात करने से ज्यादा महत्वपूर्ण कांवड़ यात्रियों केलिए यूपी में की जा रही पर्देदारी की बात करना जरूरी है। यूपी की सरकार और जिला प्रशासन कांवड़ यात्रा को लेकर श्रवणकुमार से भी ज्यादा संवेदनशील नजर आ रही है । यूपी के योगी बाबा की सरकार की नौकरशाही ने हरिद्वार में कांवड़ यात्रायों के रास्ते में पड़ने वाली मस्जिदों को सफेद कपडे से ढंकने की कोशिश की है। परदे मस्जिदों पर तो नहीं लगे लेकिन उन्हें छिपाने की कोशिश जरूर की गयी।

देश का पहला कावंड यात्री कौन था इसका कोई अभिलेख नहीं है ,क्योंकि जब देश में जब पहला कांवड़ यात्री घर से बाहर निकला था तब बाबा की सरकार नहीं थी।

हम लोगों के मन-मष्तिष्क पर पहले कांवड़ यात्री के रूप में श्रवण कुमार का नाम दर्ज है । वे अपने दिव्यांग माँ-बापू को कांवड़ पर लादकर तीर्थ यात्रा करने निकले थे। त्रेता में रघुवंश के तत्कालीन राजा दशरथ के तीर से उनकीमौत हो गयी थी। मुमिकन है कि वर्तमान की कांवड़ यात्रा इसी किंवदंती से प्रेरित हो ?कांवड़ यात्रा को लेकर एक किंवदंती और है। कहते हैं की कांवड़ यात्रा का संबंध दूध के सागर के मंथन से है। जब अमृत से पहले विष निकला और दुनिया उसकी गर्मी से जलने लगी, तो शिव ने विष को अपने अंदर ले लिया। लेकिन, इसे अंदर लेने के बाद वे विष की नकारात्मक ऊर्जा से पीड़ित होने लगे। त्रेता युग में, शिव के भक्त रावण ने कांवड़ का उपयोग करके गंगा का पवित्र जल लाया और इसे पुरामहादेव में शिव के मंदिर पर डाला। इस प्रकार शिव को विष की नकारात्मक ऊर्जा से मुक्ति मिली।

आजकल कांवड़िये अपने माँ-बाप को कांवड़ में बैठकर चलने के लायक तो हैं नहीं सो सांकेतिक रूप से गंगाजल भर कर लाते-ले जाते हैं। वे रावण की तरह शिव को शांत करना कहते हैं। अतीत में लोग चुपचाप कांवड़ यात्रा पर जाते थे, वर्तमान में ढोल बजाकर जाते हैं । सरकार कांवड़ यात्रियों का स्वागत करती हैं । हेलीकाप्टर से पुष्प वर्षा कराती है। कांवड़ियों के रास्ते में लगे बाजारों में दुकानों ,ठेलो पर दुकानदारों की नेम प्लेट्स लगवाती है और अब तो रस्ते में पड़ने वाली मस्जिदों को अदृश्य करने के लिए सफेद कपडे की कनातें लगाने लगी है।

मुझे लगता है कि ये सब करने की प्रेरणा सरकार और नौकरशाहों को भोले बाबा देते होंगे । यदि ये बात गलत है तो फिर तय है कि ये सब बाबा के दिमाग की उपज होगी। कनातें लगाने से कांवड़ यात्रा अशुद्ध नहीं होगी इसकी क्या गारंटी है ? कांवड़िये श्रवण कुमार नहीं है। वे उन्माद से भरे है। चिलम फूंकते हैं। तोड़फोड़ करते हैं। प्रशासन कांवड़ियों के रास्ते में पड़ने वाली शराब की दुकानों पर पर्दा नहीं डालता क्योंकि शराब की दुकाने देखकर कांवड़ियों का मन नहीं डोलता लेकिन मस्जिद देखकर डोल सकता है। मन होता ही डांवांडोल होने के लिए है । कनावड़ियों का मन नहीं डोला तो प्रशासन का मन डोल गया। ये बात और है कि हरिद्वार प्रशासन ने कुछ ही देर में ज्ञानचक्षु खुलनेपर ये कनातें हटा लीं।

यूपी प्रशासन ने मुजफ्फरनगर और हरिद्वार में तो कांवड़ियों को विचलित होने से रोक लिया लेकिन मेरठ में कांवड़ियों ने अपना रौद्र रूप दिखा दिया और एक कार का कचूमर लगा दिया। आरोप है की दिल्ली रोड पर मेरठ साउथ स्टेशन के नीचे आराम कर रहे गाजियाबाद निवासी शिवभक्त मोहित की कांवड़ पर शनिवार शाम को मेट्रो के कर्मचारी ने गुटखा खाकर थूक दिया। जिसे कांवड़ियों ने देखा लिया और कांवड़ खंडित करने का आरोप लगा हंगामा किया। बेचारी कार का इसमें कोई दोष नहीं था।

आप यकीन कीजिये की मेरी भी हसरत थी की मई एक बार कांवड़ लेकर निकलूं ,लेकिन कांवड़ियों का लोक-व्यवहार देखकर मैंने अपना मन समझा लिया।

यूपी की सरकार को भी अपना मन समझा लेना चाहिए । उसे केवल क़ानून और व्यवस्था के लिए अपनी ऊर्जा खर्च करना चाहिए न की कांवड़ियों की सेवा कर पुण्य कमाने के लिए। मुश्किल ये है की न सरकार मानती है और न यूपी की नौकरशाही। दोनों पुण्य कमाने पर आमादा हैं। देश में सरकारें जब तक अपने आपको धर्म-कर्म से मुक्त नहीं करेंगी,समस्याएं बरकरार रहेंगीं।

देश में कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा करना ही सबसे बड़ा मुद्दा नहीं है । मुद्दे और हैं ,जिन्हें इस कांवड़ यात्रा के बहाने छिपाया जा रहा है। संसद में जिन मुद्दों पर बहस होना चाहिए वो नहीं हो रही ह। नीति आयोग में ठकुरसुहाती को मौक़ा दिया जा रहा है लेकिन सबका साथ ,सबका विकास का सूत्र छोड़ दिया गया है। नीति आयोग कीबायथक में आधा दर्जन से अधिक राज्यों के मुख्यमंत्री नहीं आये लेकिन बैअत:क हो गयी,क्योंकि भाजपा शास्त राज्यों के मुख्यमंत्री तो बैठक में थे । बैठक इन्हीं के लिए तो आयोजित की गयी थ। केंद्र सरकार भाजपा शासित रज्यों के अलावा दुसरे मुख्यमंत्रियों को मुख्यमंत्री मानती ही नहीं है ।

सवाल ये है कि सरकारें कनातें लगा-लगाकर कितने मुद्दों को जनता कीआँखों से ओझल कर पाएंगी । एक न एक दिन तो सरकारों को असली मुद्दों पर बात करना ही पड़ेगी। ये देश प्रश्नाकुल संस्कृति का देश है । इसलिए प्रश्नों का सम्मान कीजिये,उत्तर दीजिये । उत्तर नहीं है तो उत्तर देने के लिए समय मांगिये,किन्तु यतत्र दीजिये। सवालों की अनदेखी देश के लोकतंत्र को बीमार बना देगी। (लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

लोकसभा आमचुनाव 2024: प्रजातंत्र और धार्मिक अल्पसंख्यक

उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में खाने-पीने का सामान बेचने वाली सभी दुकानों में नेमप्लेट लगाने के आदेश – जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने बाद में रोक लगा दी – की तुलना रंगभेदी दक्षिण अफ्रीका और नाज़ी जर्मनी से की गई। नाज़ी जर्मनी में यहूदियों को अपनी दुकानों और व्यवसायों को चिन्हित करने पर मजबूर किया गया और इसके बाद उनका अत्यंत क्रूरतापूर्ण दमन हुआ। सन 2024 के आमचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की चुनावी ताकत में कमी आई। वह बहुमत हासिल नहीं कर सकी। इससे यह आशा जागी थी कि बहुवाद और विविधता जैसे प्रजातान्त्रिक मूल्य एक बार फिर मज़बूत होंगे।

चुनाव प्रचार के दौरान ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को यह अहसास हो गया था कि राममंदिर कोई जादू की छड़ी नहीं है जो उनकी पार्टी की झोली को वोटों से भर देगी। और इसलिए उन्होंने समाज को बांटने वाले प्रचार का सहारा लेना शुरू कर दिया। उन्होंने इंडिया गठबंधन पर आरोप लगाया कि अल्पसंख्यकों का समर्थन हासिल करने के लिए वह उनके आगे मुजरा कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि इंडिया गठबंधन संविधान में संशोधन कर अनुसचित जातियों / जनजातियों और ओबीसी के लिए आरक्षण समाप्त कर देगा और उनके लिए निर्धारित कोटा, मुसलमानों को दे दिया जाएगा। हिन्दुओं को आतंकित करने के लिए उन्होंने यह भी कहा कि हिन्दू महिलाओं का मंगलसूत्र उनसे छीन कर मुसलमानों को दे दिया जायेगा। उन्होंने इस तरह की कई बातें कहीं। मगर नफरत फैलाने की यह कोशिश भाजपा के काम नहीं आई और लोकसभा में उसकी सीटों की संख्या 303 से घट कर 240 रह गई।

इससे यह आशा जागी कि अब अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने की कोशिशों में कमी आएगी और सामाजिक सद्भाव बढेगा। मगर एनडीए (जिसका सबसे बड़ा घटक भाजपा है) सरकार के शासनकाल के पिछले कुछ हफ़्तों के घटनाक्रम ने इन आशाओं पर पानी फेर दिया है। बल्कि, भाजपा नेताओं और सरकार की कथनी-करनी से ऐसा लग रहा है कि वे अपनी पुरानी हरकतों से बाज आने को तैयार नहीं हैं।

असम के मुख्यमंत्री श्री हेमंत बिस्वा सरमा, जो नफरत फैलाने वाली बातें कहने के लिए कुख्यात हैं, ने कहा कि असम जल्दी ही मुस्लिम बहुसंख्यक राज्य बन जायेगा। उनके अनुसार, राज्य की आबादी में मुसलमानों का प्रतिशत सन 1951 में 12 प्रतिशत था (बाद में उन्होंने इसे 14 प्रतिशत बताया), जो अब 40 प्रतिशत हो गया है। ये आंकड़े झूठे हैं और इनका उद्देश्य केवल हिन्दुओं को डराना है। सच यह है कि सन 1951 की जनगणना के अनुसार राज्य की आबादी में मुसलमानों का प्रतिशत 24.68 था और 2011 की जनगणना के अनुसार, 34.22। पुरानी आदतें जल्दी छूटती नहीं हैं।

पश्चिम बंगाल, जहाँ भाजपा को मुंह की खानी पड़ी और उसके लोकसभा सदस्यों की संख्या 18 से घट कर 12 रह गयी, में पार्टी नेता सुवेंदु अधिकारी भाजपा की सीटों में गिरावट के लिए मुसलमानों को दोषी ठहराते हैं। उन्होंने घोषणा की, हमें सबका साथ – सबका विकास की बातें करने की ज़रुरत नहीं है। हमें तो यह कहना चाहिए कि जो हमारा समर्थन करेगा, हम उसका समर्थन करेंगे। भाजपा परिवार के कई सदस्यों ने अधिकारी के बयान से असहमति दर्शाई मगर जो उन्होंने कहा वह निश्चित तौर पर पार्टी के वास्तविक राजनैतिक लक्ष्यों का खुलासा करता है।

इससे से भी एक कदम और आगे बढ़कर, उत्तर प्रदेश के मुज़फ्फरनगर में डीआईजी ने निर्देश दिया कि कांवड़ यात्रा के रास्ते में पड़ने वाली खाने-पीने का सामान बेचने वाले दुकानों और होटलों को उनके मालिकों और कर्मचारियों के नाम की पट्टी लगाना आवश्यक होगा। सुप्रीम कोर्ट ने 21 जुलाई को उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड की सरकारों द्वारा जारी किये इस निर्देश के अमल पर रोक लगा दी। न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय और एस.वी.एन. भट्टी की एक खंडपीठ ने इस सम्बन्ध में एक अंतरिम आदेश जारी किया।

प्रशासन के अनुसार यह कदम उन हिन्दू श्रद्धालुओं की आस्था की पवित्रता की रक्षा करने के लिए उठाया गया है, जो सावन के महीने में कांवड़ यात्रा में भाग लेते हैं। उत्तर प्रदेश के बाद उत्तराखंड की सरकार ने भी यही निर्देश जारी किया। इसके बाद भाजपा की अन्य सरकारें भी ऐसे ही निर्देश जारी करने की जुगत में थीं, जिससे धीरे-धीरे यह नियम व्यापक रूप से लागू हो जाता।

जब इस कदम की आलोचना हुई तो राज्य सरकार ने कहा कि नाम लिखना वैकल्पिक होगा। यह श्स्यद पहला ऐसा सरकारी आदेश होगा जिसका पालन करना ऐच्छिक है! देश के सर्वोच्च नेता और प्रधानमंत्री ने इस आदेश के मामले में चुप्पी साध रखी है। इससे ऐसा लगता है कि उनकी पार्टी की यही नीति है। इस निर्णय का भाजपा के गठबंधन साथियों जैसे जनता दल (यूनाइटेड) और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने भी विरोध किया। मगर उससे भू कुछ नहीं हुआ। साफ़ है कि मोदी के लिए गठबंधन दलों की राय का कोई महत्व नहीं है।

यह शायद भाजपा द्वारा लिया गया सबसे ज्यादा निर्णायक कदम है। इससे कांवड़ यात्रा के रास्ते में पड़ने वाली होटलों में मुसलमान कर्मचारियों को निकालने का सिलसिला शुरू हो गया है। सच तो है कि शुद्धता और प्रदूषण जैसी अवधारणाओं की आज के समय में कोई जगह नहीं है। हरिद्वार से गंगा का पानी भरकर उसे विभिन्न शिवमंदिरों में ले जाने की परंपरा काफी पुरानी है। मगर पिछले कुछ दशकों में, विशेषकर 1980 के दशक के बाद से, इसने बहुत जोड़ पकड़ लिया है। राममंदिर आन्दोलन से शुरू हुई धर्म की राजनीति का समाज में बोलबाला बढ़ने के साथ-साथ कांवड़ यात्रा में भागीदारी भी बढ़ी है। अब लाखों-लाख लोग इन यात्राओं में भाग लेते है।

बहरहाल, इस तरह के आदेश का क्या नतीजा होता? कई लोगों ने इस आदेश की तुलना दक्षिण अफ्रीका की रंगभेदी सरकार और जर्मनी की नाज़ी सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों से की है। नाज़ी जर्मनी में फासीवादी नीतियों के निशाने पर यहूदी थे। उन्हें उनकी दुकानों के सामने स्टार ऑफ़ डेविड लटकाने और अपने शरीर पर पहनने के लिए कहा गया। इससे उनकी पहचान करना और उन्हें प्रताड़ित करना आसान हो गया। कांवड़ यात्रा के बारे में यह निर्णय शायद एक प्रयोग था और आगे चलकर भाजपा सरकारें ऐसे कदम उठा सकतीं हैं जिनसे मुसलमानों की पहचान करना आसान हो जाए।

ऐसा लग रहा है कि देश की राजनीति में सांप्रदायिकता का ज़हर घुल चुका है। भाजपा और उसके गठबंधन साथियों को चुनाव में हराना, देश में बहुवाद की पुनर्स्थापना की ओर पहला कदम है। मुसलमानों के राजनैतिक प्रतिनिधित्व में कमी लाने के साथ-साथ उन्हें निशाना भी बनाया जा रहा है। आरएसएस-भाजपा के नेताओं का कहना है कि वे मुस्लिम राजनीति को साम्प्रदायिकता से मुक्त करने का प्रयास कर रहे हैं।

कांवड़ यात्रा सम्बन्धी आदेश से साफ़ है कि यह दावा शुद्ध पाखण्ड है। वे यह नहीं बताते कि भाजपा का एक भी लोकसभा सदस्य मुसलमान क्यों नहीं है और यह भी कि मंत्रीपरिषद् में एक भी मुसलमान को क्यों शामिल नहीं किया गया है। उनका दावा है कि वे अब पसमांदा मुसलमानों से जुड़ने की कोशिश कर रहे हैं। क्या उन्हें पता है कि भाजपा की राजनीति के सबसे बड़े शिकार कौन हैं? अगर सुप्रीम कोर्ट आदेश पर रोक नहीं लगाता तो निर्णय का सबसे ज्यादा खामियाजा पसमांदा मुसलमानों को ही भोगना पड़ता। इंडिया गठबंधन को इस तरह के क़दमों का जम कर विरोध करना चाहिए। यह ज़रूरी है कि समावेशी मूल्यों को बढ़ावा दिया जाए और उन प्रतिगामी नीतियों के खिलाफ संघर्ष किया जाए जो समाज को बांटने वाली हैं और हिन्दू राष्ट्र की स्थापना की ओर कदम हैं। (लेखक- राम पुनियानी/ ईएमएस) (अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया। लेखक आईआईटी मुंबई में पढ़ाते थे और सन 2007 के नेशनल कम्यूनल हार्मोनी एवार्ड से सम्मानित हैं)

पेरिस ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम ने न्यूजीलैंड को 3-2 से हराया

पेरिस (ईएमएस)। भारतीय हॉकी टीम ने पेरिस आलंपिक के ग्रुप बी में जीत से शुरुआत करते हुए पहले ही मैच में न्यूजीलैंड को 3-2 से हरा दिया। इस मैच में न्यूजीलैंड की ओर से लेन सैम और सिमोन ने गोल किये जबकि भारतीय टीम की ओर से मनदीप सिंह और विवेक सागर के अलावा एक गोल कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने किया। मैच की शुरुआत में ही न्यूजीलैंड ने लेन सैम के गोल की सहायता से बढ़त हासिल की। सैम ने छठे मिनट में ही गोल कर अपनी टीम को 1-0 से आगे कर दिया। इसके बाद भारतीय टीम की ओर से मनदीप सिंह ने 24 वें मिनट में एक गोल कर अपनी टीम को 1-1 से बराबरी पर ला दिया। वहीं 34 वें मिनट में विकेक सागर ने एक-एक गोल दागकर भारतीय टीम को 2-1 की बढ़त दिला दी। इसके बाद 53वें मिनट में न्यूजीलैंड की ओर से सिमोन ने एक गोल कर अपनी टीम को 2-2 से बराबरी पर ला दिया पर छह मिनट बाद ही भारतीय टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी स्ट्रोक के जरिये एक गोल कर टीम को एक बार फिर बढ़त दिला दी जो अंत तक बनी रही।

भाजपा अयोध्या यूँ ही नहीं हारी

जिस अयोध्या के राम मंदिर निर्माण के बल पर भाजपा तीसरी बार सत्ता में पूर्ण बहुमत से आने का सपना संजोए बैठी थी उसी अयोध्या ने पिछले दिनों मानसून पूर्व की केवल एक दिन की बारिश में यह बता दिया कि किस तरह मंदिर निर्माण व अयोध्या के विकास के नाम पर भ्रष्टाचार का खेल खेला गया है। गत दस वर्षों से सत्ता की गोद में बैठा मीडिया अयोध्या के विकास की इकतरफ़ा गाथा गाने में व्यस्त था। चारों शंकराचार्य सहित और भी कई बड़े बड़े संत महात्मा पुरज़ोर तरीक़े से यह आवाज़ उठा रहे थे कि चूँकि मंदिर निर्माण अभी अधूरा है लिहाज़ा अपूर्ण मंदिर भवन में विशेषकर आधे अधूरे मंदिर शिखर के नीचे राम लला की नई मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा करना शास्त्रसम्मत नहीं है। परन्तु राजनीति के स्वयंभू चाणक्यों ने किसी संत महात्मा की बात पर ध्यान नहीं दिया। और केवल लोकसभा चुनावों के मद्देनज़र 22 जनवरी को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का ग्रांड शो रच डाला। और उसी स्वयंभू दूरगामी चाणक्य नीति ने यह नारा दे दिया कि जो राम को लाये हैं हम उनको लायेंगे। केवल इतना ही नहीं बल्कि अपने विरोधियों को गोदी मीडिया के माध्यम से हिन्दू विरोधी,राम विरोधी व सनातन विरोधी प्रचारित करने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी।

गोदी मीडिया ने भले ही राष्ट्रीय स्तर पर सत्ता के पक्ष में माहौल बनाने में एड़ी चोटी का ज़ोर लगा दिया परन्तु उत्तर प्रदेश के लोग विशेषकर अयोध्यावासी व स्थानीय समग्र साधु संत समाज अपूर्ण मंदिर भवन में निर्मित आधे अधूरे मंदिर शिखर की सच्चाई से भी वाक़िफ़ था और अयोध्या के विकास के नाम पर पूरे शहर की सड़कों नालों नालियों,सीवरेज प्रणाली के निर्माण में जम कर की गयी लूट खसोट से भी परिचित था। आख़िर कार राम मंदिर के प्रधान पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने स्वयं ही मंदिर निर्माण कार्य में लापरवाही का आरोप लगाते हुये यह दावा किया कि यह दूसरी बार है जबकि राम मंदिर की छत से पानी टपक रहा है। पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास के अनुसार पहली बारिश में भी मंदिर की छत से पानी का रिसाव हुआ था। उस समय भी उन्होंने विरोध किया था। आचार्य दास ने सवाल किया है कि जब राम लला के विराट दिव्य मंदिर के निर्माण में देश के सुप्रसिद्ध इंजीनियर लगे हैं, उसके बावजूद मंदिर की छत से पानी का टपकना आश्चर्यजनक है। जो मंदिर बन गए हैं और जहां रामलला विराजमान हैं, वहां पहली ही बारिश में पानी टपकने लगा। मंदिर के अंदर भी बरसात का पानी भर गया था। राम मंदिर निर्माण ट्रस्ट को इस बात का भी ध्यान देना चाहिए कि बने मंदिरों से क्यों पानी टपक रहा है?

पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास के आरोपों के बाद राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र को यह सफ़ाई देनी पड़ी कि 'मैंने ख़ुद मंदिर की पहली मंज़िल से बारिश का पानी टपकते हुए देखा है। इसके पीछे वजह यह है कि अभी मंदिर की दूसरी मंज़िल पर निर्माण कार्य चल रहा है, जिससे इसकी छत पूरी तरह खुली है। इसलिए वहां पानी भर गया और छत से नीचे भी टपका। इस तरह खुले फ़र्श पर पानी टपक सकता है। लेकिन अगले महीने के अंत तक दूसरी मंज़िल की छत बंद हो जाएगी, फिर यह समस्या नहीं होगी। ' नृपेंद्र मिश्र के बयान से ही यह साफ़ है कि मंदिर 22 जनवरी को भी अधूरा था और आज भी अधूरा है लिहाज़ा क्या वजह है कि उस समय शंकराचार्यों व संतों की बात नहीं मानी गयी ? और आधे अधूरे मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा करा दी गयी ? लिहाज़ा यदि 22 जनवरी को आयोजित प्राण प्रतिष्ठा पूर्णत: राजनैतिक नहीं थी तो और क्या थी ? ख़बर है कि मंदिर के मुख्य शिखर को प्लास्टिक,कपड़ों व बांस बल्लियों से बनाकर तैयार किया गया था।

मानसून की शुरूआती बारिश में केवल अयोध्या राम मंदिर की छत से ही पानी नहीं टपका बल्कि लगभग पूरी अयोध्या त्राहि त्राहि करने लगी। एक दिन की बारिश में ही राम पथ पर सआदतगंज से लेकर लता चौक तक कम से कम 20 जगहों पर सड़कों में गड्ढे पड़ गये। कई जगह सड़कें धंस गईं। नाले व नालियां जाम हो गये। जबकि हाई टेक अयोध्या के निर्माण का दावा किया जा रहा था ? प्राप्त सूचनाओं के अनुसार सड़क धंसने वाली कुछ जगहों पर कुछ दिन पहले ही अमृत योजना के तहत सीवर पाइप लाइन बिछाने के लिए गड्ढा खोदा गया था। सीवर लाइन बिछाने का काम पूरा होने के बाद सिर्फ़ गिट्टी डालकर सड़क को अस्थायी रूप से पाट दिया गया। उसकी ठीक ढंग से मरम्मत नहीं कराई गई। इसी का नतीजा रहा कि बारिश में यहां पर सड़क धंस गई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि काम मानक के अनुरूप नहीं किया गया जिसके कारण सड़क धंस गयी। इसी तरह राम मंदिर के बिल्कुल क़रीब रेलवे स्टेशन मार्ग पर कॉलोनी जलवानपुरा में जलभराव हो गया जिसके चलते लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया। अयोध्या नगर की दर्जनों दुकानों और मकान में बरसात का पानी घुसने से लोग परेशान हुये।

अयोध्या व उत्तर प्रदेश के सुदूर राज्यों में बैठे लोग गोदी मीडिया द्वारा परोसी गयी हाई टेक अयोध्या व मंदिर निर्माण व प्राण प्रतिष्ठा समारोह व इसमें शामिल विशिष्ट व अतिविशिष्ट लोगों की भीड़ को चाहे जिस नज़रिये से देख रहे हों परन्तु हक़ीक़त में अयोध्या वासी बहुत क़रीब से न केवल इस ढोल में छिपे पोल को देख रहे थे बल्कि इसी प्रचारित हाई टेक अयोध्या के निर्माण व विकास के नाम पर उजाड़े गये अपने घरों की तबाही व अपने तबाह हुये व्यवसायों के भी भुक्तभोगी थे। वे यह भी देख रहे थे कि किस तरह सत्ता संरक्षण में बाहरी कंपनियों व ठेकेदारों द्वारा भगवान राम के नाम पर लूट मचाई जा रही है। यही वजह थी की विपक्षियों के बारे में सत्ता व मीडिया द्वारा तमाम दुष्प्रचार करने के बावजूद अयोध्यावासियों ने जो राम को लाये हैं हम उनको लाएंगे जैसे नारे को फ़र्ज़ी समझते हुये भाजपा के प्रत्याशी को अप्रत्याशित रूप से हरा दिया और उस समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार को विजयी बनाया जिसके बारे में गोदी मीडिया सत्ता के हवाले से यह दुष्प्रचार कर रहा था कि यदि यह जीते तो राम मंदिर पर बुलडोज़र चलवादेंगे। दरअसल अयोध्या व उत्तर प्रदेश की जनता ने भाजपा के झूठ भ्रष्टाचार व पाखंड को भली हन्ति पहचान लिया था। भाजपा अयोध्या यूँ ही नहीं हारी है।(लेखिका - निर्मल रानी/ईएमएस)

शब्द पहेली - 8082

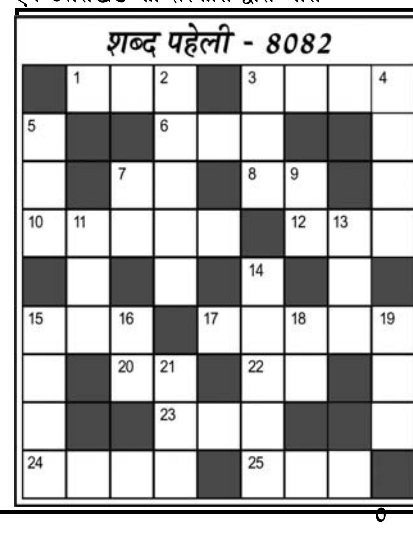

बाएँ से दाएँ

1. लालसा, मांग-3
3. मोटरगाड़ी-4
6. दरवाजे पर दी गई थाप-3
7. मां की माता-2
8. पार्थिव देह-2
10. संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, माधुरी की फिल्म-5
12. स्वदेश, जन्मभूमि-3
15. पाबंदी, रोक-3
17. आश्चर्यचकित होना-5
20. नासिका-2
22. आनेवाला दिन-2
23. समतल-3
24. शमशीर, कृपाण -4
25. फिजूल, व्यर्थ-3

ऊपर से नीचे

2. दुर्जन, बेइमान-5
3. जिसके सिर पर बल न हो, गंजा-3
4. साहूकार, व्यापारी-4
5. जांच, परीक्षण-3
7. मां के पिता-2
9. लाश-2
11. तरुणी, किशोरी-3
13. कार्यविधि-3
14. बेइज्जत होना-2-3
15. हाथी साधने वाला -4
16. मेहंदी-2
18. ताकत, जोर-2
19. अभिनेत्री-3
21. कमी-3

शब्द पहेली -8081 का हल

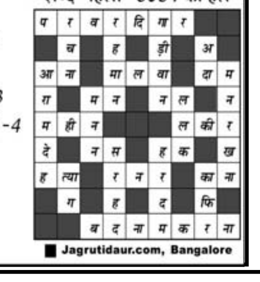

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

डोपिंग में फंसे नाइजीरियाई मुक्केबाज ओगुनसेमिलोर को ओलंपिक से बाहर किया गया

पेरिस (ईएमएस)। नाइजीरियाई मुक्केबाज सिंथिया ओगुनसेमिलोर को पेरिस ओलंपिक से बाहर कर दिया गया है। ओगुनसेमिलोर को प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन का दोषी पाए जाने के बाद खेलों से बाहर कर दिया गया। आयोजन समित का कहना है कि खेलों को डोपिंग से मुक्त रखना उसका लक्ष्य है। अंतरराष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी के अनुसार लाइटवेट चैंपियन ओगुनसेमिलोर का गुरुवार को परीक्षण किया गया था। इसमें उनके मूत्र के नमूने में प्रतिबंधित पदार्थ फ्यूसोरेमाइड पाया गया था। ये एक मास्किंग एजेंट है जो अन्य दवाओं की उपस्थिति को छिपाने के काम आत है। अब ओगुनसेमिलोर को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है और वह ओलंपिक के किसी मुकाबले में शामिल नहीं हो पायेंगे।

इस मुक्केबाज को 60 किग्रा भार वर्ग में चौथी वरीयता दी गई थी और उन्हें अपना पहला मुकाबला सोमवार को खेलना था। वह डोपिंग के कारण पेरिस ओलंपिक से बाहर होने वाली दूसरी खिलाड़ी हैं। इससे पहले इराकी जुडोका सज्जाद सेहेन का परीक्षण डोप जांच में पॉजिटिव पाया गया था।

रूट 12 हजार टेस्ट रन पूरे करने वाले इंग्लैंड के दूसरे क्रिकेटर बने

एजबेस्टन (ईएमएस)। इंग्लैंड के जो रूट ने वेस्टइंडीज के खिलाफ यहां जारी तीसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में अर्धशतक लगाने के साथ ही अपने 12,000 टेस्ट रन पूरे किये। रुट ने इसी के साथ ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किर लिया है। वह ये उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे सबसे कम उम्र के क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने एजबेस्टन में वेस्टइंडीज के खिलाफ जारी तीसरे और अंतिम टेस्ट में यह उपलब्धि हासिल की। वह सबसे कम उम्र में यहां तक पहुंचने वाले इंग्लैंड के दूसरे ओर विश्व के सातवे खिलाड़ी हैं। इस दौरान, उन्होंने ब्रायन लारा के 11,953 टेस्ट रनों को भी पीछे छोड़ दिया।

रूट ने इंग्लैंड की पहली पारी के दौरान 12,000 रन का आंकड़ा हासिल किया। उन्होंने कप्तान बेन स्टोक्स के साथ मिलकर इंग्लैंड की पारी को संभाला भी। रुट ने 2012 में भारत के खिलाफ अपना टेस्ट डेब्यू किया था और तब से उन्होंने 50.25 की शानदार औसत से 143 मैच खेले हैं, जिसमें 32 शतक और 63 अर्धशतक शामिल हैं। वह इस समय सबसे ज्यादा रन बनाने वाले सक्रिय टेस्ट बल्लेबाज भी हैं। अब वह पूर्व कप्तान कुक के बाद सबसे ज्यादा स्कोर बनाने वाले क्रिकेटर बनने का प्रयास करेंगे। कुक ने अपने करियर में 12,472 रन बनाये थे।

पेरिस ओलंपिक : भारत के बलराज नौकायन स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

पेरिस (ईएमएस)। भारत के बलराज पवार नौकायन के मेंस स्कल्स इवेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गये हैं। बलराज इससे पहले पुरुष एकल स्कल्स हीट में चौथे स्थान पर रहे थे। हीट में बाहर होने के बाद बलराज को रेपचाज में खेलने का अवसर मिला जिसका उन्होंने पूरा लाभ उठाया। बलराज ने नौकायन के मेंस स्कल्स इवेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाकर एक नई उपलब्धि हासिल की है। इससे पहले केवल नौकायन खिलाड़ी ही ये कारनाम कर पाये हैं। बलराज मुकाबले में चौथे स्थान पर रहे थे। उन्होंने 7:07.11 का समय निकालते हुए 2000 मीटर की दूरी तय की और रेपेचेज राउंड के लिए जगह पक्की की।

पुरुष एकल स्कल्स इवेंट में कुल 33 नौकायन खिलाड़ी छह अलग-अलग हीट में भाग लेते हैं। प्रत्येक इवेंट के शीर्ष तीन खिलाड़ियों को सीधे ही क्वार्टरफाइनल में खेलने का अवसर मिलता है। वहीं चौथे, पांचवें और छठे स्थान पर रहने वाले खिलाड़ी को क्वार्टरफाइनल में जगह बनाने के लिए रेपेचेज दौर के जरिए एक और अवसर दिया जाता है।

भारतीय निशानेबाज रमिता 10 मीटर एयर राइफल के फाइनल में पहुंची, इलावेनिल बाहर हुई

पेरिस (ईएमएस)। भारतीय महिला निशानेबाज रमिता जिंदल ने ओलिंपिक में शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 मीटर एयर राइफल के फाइनल में प्रवेश किया है। रमिता ने इस मुकाबले की शुरुआत में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। वह क्वालीफिकेशन दौर में पांचवें स्थान पर रहीं थीं। अब फाइनल में रमिता सोमवार को खिताबी मुकाबले में उतरेंगी। फाइनल में रमिता का लक्ष्य देश के लिए स्वर्ण जीतना रहेगा। रमिता 60 शॉट के क्वालिफाइंग रांउड में कुल 631.5 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। रमिता ने पहली सीरीज में 104.3, दूसरी में 106.0, तीसरी में 104.9, चौथी में 105.3, पांचवीं में भी 105.3 और छठी सीरीज में 105.7 अंक हासिल किए।

वहीं भारत की ही इलावेनिल 10वें स्थान पर रहने के कारण फाइनल में नहीं पहुंच पाई। एलावेनिल शीर्ष-5 में बनी हुई थी। कुछ समय के लिए तो वह शीर्ष पर भी थी पर अंतिम सीरीज में वह पीछे हो गयी। 59वें शॉट में एलावेनिल ने केवल 9.8 का स्कोर किया। इसी से वह शीर्ष-8 से बाहर हो गईं। अंत में उन्होंने 10.1 का स्कोर किया। एलावेनिल और 8वें नंबर की निशानेबाज में केवल 0.5 के स्कोर का अंत रहा।

अश्विनी और तनिषा पहले मैच में हारी

पेरिस (ईएमएस)। पेरिस ओलंपिक के महिला युगल बैडमिंटन में भारत की अश्विनी पोनप्पा और तनिषा क्रैस्टो की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ग्रुप सी के पहले मुकाबले में इस भारतीय जोड़ी को हार का सामना करना पड़ा है। अश्विनी और तनिषा को दक्षिण कोरिया की किम सो यियोंग और कोंग ही योंग ने सीधे गेम में हराया। अश्विनी और तनिषा 44 मिनट तक चले मुकाबले में 18-21 10-21 से हारीं। इन दोनो ने अच्छी शुरुआत की और पहले गेम में कोरियाई जोड़ी को कड़ी टक्कर दी पर ये दोनो ही इसके बाद अपनी लय बरकरार नहीं रख पाने के कारण मुकाबला हार गयीं। पहले सेट में स्कोर 4-4 से बराबर था. लेकिन, इसके बाद कोरियाई जोड़ी ने लगातार चार अंक हासिल किए और स्कोर कोरियाई टीम के पक्ष में 9-5 हो गया. पोनप्पा और कास्त्रो की भारतीय जोड़ी ने अपने स्मैश से विरोधियों के शरीर पर लगातार हमला करने की कोशिश की और पहले सेट में अंतराल तक अंतर को 11-8 तक कम कर दिया। भारतीय जोड़ी का खेल स्मैश पर निर्भर था, लेकिन कोरियाई जोड़ी पूरे मैच के दौरान कोर्ट पर अपने प्लेसमेंट और तेज रिटर्न के साथ शानदार थे जिसका भारतीय खिलाड़ियों के पास जवाब नहीं था। अब इस जोड़ी का का अगला मुकाबला सोमवार को जापान की चिहारू शिदा और नामी मात्सुयामा से होगा। इस मुकाबले में इनका लक्ष्य किसी भी प्रकार जीत दर्ज करना रहेगा।

पेरिस ओलंपिक में सिंधु की जीत से शुरुआत

पेरिस (ईएमएस)। भारत की महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने पेरिस ओलंपिक में जीत से शुरुआत की है। सिंधु ने महिला एकल बैडमिंटन में मालदीव की खिलाड़ी को हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया है। अपने तीसरे ओलंपिक पदक के लिए उतरी सिंधु ने एकल के ग्रुप एम में मालदीव की फथीमथ नब्बाह अब्दुल रज्जाक को आसानी से 21-9 , 21-6 से हराया। इस मुकाबले में सिंधु ने पहला गेम 21-9 से जबकि दूसरा गेम 21-6 से जीता। सिंधु ने 27 मिनट में ही मुकाबला जीत लिया।

सिंधु ने पहला अंक हासिल करके इस मैच में बढ़त बनानी शुरु की। इसके बाद अंकों का अंतर बढ़कर 10 अंक तक पहुंच गया। वहीं रज्जाक के 4 अंक थ। सिंधु ने अंकों का अंतर 15-5 तक पहुंचा कर इस गेम को 21-9 के बड़े अंतर से जीत लिया।

पहला गेम आसानी से जीतने के बाद सिंधु ने दूसरे गेम में भी बढ़त बनायी। वह मालदीव की खिलाड़ी के खिलाफ 4-0 से आगे निकली हालांकि उनकी विरोधी ने भी 3 अंक हासिल कर वापसी के प्रयास किये और स्कोर 3-5 तक पहुंचा दिया। सिंधु ने इसके बाद जबरदस्त प्रदर्शन कर स्कोर 10-3 करके एक बार फिर बड़ी बढ़त हासिल कर ली। 21-6 के अंतर से दूसरा गेम सिंधु ने जीत लिया।

सिंधु ने मालदीव की रज्जाक के खिलाफ बेहद आसानी से पहला मैच जीता। भारतीय खिलाड़ी ने पहला गेम केवल 13 मिनट में ही 21-9 से जीत लिया जबकि दूसरे गेम को 14 मिनट में समाप्त कर दिया। 21-6 से दूसरे गेम जीतकर पीवी सिंधु ने अगले दौर में जगह बनाई।

सूर्यकुमार ने विराट के एक रिकार्ड की बराबरी की

पल्लेकेले (ईएमएस)। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के नये कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपने पहले ही मैच में शानदार अर्धशतक लगाकर टीम को जीत दिलायी। सूर्यकुमार को अपनी 58 रनों की पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। इस मैच में सूर्यकुमार ने 26 गेंदों पर ही तेजी से खेलते हुए 58 बनाये। इससे भारतीय टीम एक अच्छा स्कोर बनाकर मेजबान टीम के खिलाफ जीत दर्ज करने में सफल रहीं। टी20 अंतरराष्ट्रीय में सूर्यकुमार को 16वीं बार प्लेयर ऑफ दे मैच का अवॉर्ड मिला है। सूर्या साल 2021 में डेब्यू के बाद से ही 69 मैचों में से 16 बार प्लेयर ऑफ द मैच रहे हैं। इस प्रकार उन्होंने आधे मैचों में ही अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के एक रिकार्ड की बराबरी कर ली है। सूर्यकुमार प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड जीतने के मामले में अब कोहली के बराबर आ गये हैं। विराट ने भारतीय टीम की ओर से 125 मैच खेले हैं जिसमें उन्हें भी 16 बार प्लेयर ऑफ दे मैच का अवॉर्ड मिला था। वहीं तीसरे नंबर पर जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा हैं।

यूएस फेड के फैसले का शेयर बाजार पर रहेगा असर

- वैश्विक बाजार के रुझान और तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव पर भी रहेगी ?निवेशकों की नजर

मुंबई (ईएमएस)। चालू वित्त वर्ष के बजट में कैपिटल गेन टैक्स बढ़ाने से बिकवाली का दबाव बढ़ने के बावजूद सप्ताह के आ?खिरी दिन हुई लिवाली की वजह से बीते सप्ताह करीब एक प्रतिशत चढ़े शेयर बाजार पर इस सप्ताह अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक में ब्याज दर में कटौती को लेकर होने वाले निर्णय के साथ ही घरेलू स्तर पर वाहन बिक्री, औद्योगिक उत्पादन के आने वाले आंकड़े और कंपनियों के तिमाही नतीजे का असर रहेगा। शेयर बाजार के निवेशकों ने इस सप्ताह में बाजार की चाल पर नजर बनाई हुई है। विश्लेषकों के अनुसार शेयर बाजार की नजर यूएस फेड ब्याज दर निर्णय, चालू तिमाही आय, व्यापक आर्थिक डेटा और एफआईआई के कारोबार पर रहेगी। इसके अलावा निवेशक वैश्विक बाजार के रुझान और वैश्विक तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव पर भी नजर बनाए रखेंगे। इस सप्ताह फोकस वैश्विक संकेतों जिसमें विशेषकर अमेरिकी बाजारों पर सबसे ज्यादा ध्यान रहेगा। अमेरिकी फेडरल रिजर्व 31 जुलाई को अपने ब्याज दर फैसले की घोषणा करने के लिए तैयार है। यह घोषणा शेयर बाजार के लिए महत्वपूर्ण होगी क्योंकि इस साल संभावित दर में कटौती की उम्मीद है। इसके अलावा अमेरिका और चीन के अन्य व्यापक आर्थिक आंकड़ों पर भी कड़ी नजर रखी जाएगी। घरेलू मोर्चे पर कंपनी द्वारा पहली तिमाही के नतीजों की घोषणा का भी असर बाजार पर पड़ेगा।

इस सप्ताह गेल, अदाणी पावर, बैंक ऑफ बड़ौदा, बीएचईएल, कोल इंडिया, एमएंडएम, मारुति, टाटा स्टील, अदाणी एंटरप्राइजेज और टाटा मोटर्स तिमाही नतीजे घोषित करेंगी। घरेलू और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों जैसे कि भारत के इन्फ्रास्ट्रक्चर आउटपुट, मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई, चीन के मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई, बीओई ब्याज दर निर्णय, अमेरिकी गैर-कृषि पेरोल और फेडरल रिजर्व प्रेस कॉन्फ्रेंस आदि का असर शेयर बाजार की चाल पर पड़ेगा। वैश्विक बाजार के रुझान और तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव पर भी रहेगी ?निवेशकों की नजर बाजार ?विश्लेषकों का कहना है ?कि कंपनी द्वारा जारी तिमाही नतीजों की वजह से शेयर बाजार से पॉजिटिव रिस्पांस मिल सकता है। इसके अतिरिक्त यूएस फेड और बीओई मौद्रिक नीतियों, अमेरिकी रोजगार डेटा और यूरोजोन जीडीपी आंकड़ों सहित वैश्विक आर्थिक अपडेट से बाजार पर असर पड़ने की उम्मीद है।

इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश जून तिमाही में बढ़कर 94,151 करोड़ हुआ

नई दिल्ली (ईएमएस)। जून, 2024 में समाप्त तिमाही में इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश पांच गुना बढ़कर 94,151 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। एक साल पहले समान तिमाही में यह आंकड़ा 18,358 करोड़ रुपये था। मजबूत आर्थिक माहौल, सरकार की अनुकूल राजकोषीय नीतियां, निवेशकों का भरोसा और शेयर बाजारों में तेजी के बीच इक्विटी म्यूचुअल फंड को लेकर आकर्षण बढ़ा है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार जून में उद्योग के प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां (एयूएम) 59 प्रतिशत बढ़कर 27.68 लाख करोड़ रुपये हो गईं, जो एक साल पहले 17.43 लाख करोड़ रुपये थीं। परिसंपत्ति आधार में मजबूत वृद्धि के साथ इक्विटी म्यूचुअल फंड के निवेशकों की संख्या भी बढ़ी है। इस दौरान निवेशक आधार तीन करोड़ बढ़ा है और फोलियो की संख्या बढ़कर 13.3 करोड़ हो गई है। स्टॉक ट्रेडिंग मंच ट्रेडजिनी के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने बताया कि इक्विटी फोलियो की संख्या में बढ़ोतरी से पता चलता है कि विभिन्न निवेशक खंडों में भागीदारी व्यापक हो रही है। इसकी वजह वित्तीय जागरूकता तथा निवेश मंचों तक सुगम पहुंच है। एम्फी के आंकड़ों के अनुसार इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड योजनाओं में जून, 2024 को समाप्त तिमाही में 94,151 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। अप्रैल में इन योजनाओं में 18,917 करोड़ रुपये, मई में 34,697 करोड़ रुपये और जून में 40,537 करोड़ रुपये का निवेश हुआ।

शेयर बाजार में पिछले 6 वर्षों में दर्ज की सबसे बड़ी तेजी

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार में बजट के बाद शानदार तेजी देखने को मिली। यह लगातार आठवां हफ्ता था, जब बाजार तेजी के साथ बंद हुआ। 22 जनवरी, 2018 के बाद यह पहला मौका है जब बाजार में इतने लंबे समय तक तेजी जारी रही। साप्ताहिक आधार पर निफ्टी में टाटा मोटर्स 13 प्रतिशत, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस 10.6 प्रतिशत, सन फार्मा 9.3 प्रतिशत, एनटीपीसी 8.7 प्रतिशत, बीपीसीएल 8.2 प्रतिशत, टाइटन 7.2 प्रतिशत, एसबीआई लाइफ 6.3 प्रतिशत और सिप्ला 6 प्रतिशत की तेजी के साथ टॉप गेनर थे। इस दौरान निफ्टी के किसी भी शेयर ने नकारात्मक रिटर्न नहीं दिया है। इंडेक्स के हिसाब से देखें तो पिछले हफ्ते निफ्टी फार्मा 5.77 प्रतिशत, निफ्टी मीडिया 5.74 प्रतिशत, निफ्टी ऑटो 5.16 प्रतिशत, निफ्टी एनर्जी 2.79 प्रतिशत और निफ्टी एफएमसीजी 2.69 प्रतिशत की बढ़त के साथ सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले सेक्टर हैं। वहीं निफ्टी बैंक 1.86 प्रतिशत, निफ्टी रियल्टी 1.69 प्रतिशत, निफ्टी फाइनेंस 1.19 प्रतिशत और निफ्टी पीएसयू बैंक 0.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ टॉप लूजर्स थे। शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया। बाजार के जानकारों का कहना है कि यूएस की अर्थव्यवस्था से अप्रैल से जून के बीच 2.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी है, जो कि पिछली तिमाही के आंकड़ों से दोगुनी है। इस कारण से ग्लोबल मांग में सुधार होने की संभावना है, जो कि बाजार के लिए सकारात्मक है। आगे बाजार की चाल तिमाही नतीजों पर निर्भर करेगी।

कांगो के किन्शासा में संगीत कार्यक्रम में भगदड़, 7 की मौत, कई घायल

किन्शासा (ईएमएस)। कांगो की राजधानी किन्शासा में शनिवार रात एक संगीत कार्यक्रम मे भगदड़ मचने से 7 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। वहां के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। किन्शासा के गवर्नर डैनियल बुम्बा ने बताया कि मशहूर गायक माइक कलमबाई राजधानी के मध्य में स्थित स्टेड डेस मार्टियर्स स्टेडियम में संगीत कार्यक्रम में प्रस्तुति दे रहे थे तभी वहां भगदड़ मच गई। उन्होंने बताया कि इस स्टेडियम में 80 हजार दर्शकों के बैठने की व्यवस्था है। एक खबर के मुताबिक स्टेडियम में भगदड़ मचने से सात लोगों की मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया है। यह नहीं बताया गया है कि स्टेडियम में भगदड़ कैसे मची। घटना की जांच जारी है।

स्वियातेक, अल्काराज और जोकोविच जीत के साथ दूसरे दौर में दूसरे दौर में पहुंचे

पेरिस (ईएमएस)। स्पेन के कार्लोस अल्काराज , सर्बिया के नोवाक जोकोविच के अलावा पोलैंड की इगा स्वियातेक जीत के साथ ही पेरिस ओलंपिक की टेनिस स्पर्घा के दूसरे दौर में पहुंच गये हैं। अल्काराज , जोकोविच और स्वियातेक ने पहले दौर में सीधे सेटों में जीत दर्ज की। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी स्वियातेक ने रोमानिया की इरिना कैमेलिया बेगु को सीधे सेट में 6-2, 7-5 से हराया।

वहींअल्काराज ने लेबनान के हेडी हबीब को 6-3, 6-1 से पराजित किया जबकि शीर्ष वरीयता प्राप्त सर्बिया के जोकोविच ने ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन को आसानी से 6-0, 6-1 से हराया। वहीं इटली की जैस्मिन पाओलिनी ने रोमानिया की ऐना बोगडेन को 7-5, 6-3 से हराया। जैस्मिन ओलंपिक में जीत हासिल करने वाली पहली महिला खिलाड़ी हैं।

विदेशी निवेशकों ने जुलाई में 52,910 करोड़ निवेश किए

नई दिल्ली (ईएमएस)। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने 26 जुलाई तक भारतीय इक्विटी और डेट में 52,910 करोड़ रुपये का निवेश किया है। नेशनल सिक्योरिटी डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के मुताबिक एफपीआई की ओर से इस महीने की शुरुआत से अब तक इक्विटी में 33,688 करोड़ रुपये और डेट में 19,222 करोड़ रुपये निवेश किए जा चुके हैं। इस वर्ष की शुरुआत से अब तक एफपीआई द्वारा इक्विटी में 36,888 करोड़ रुपये और डेट में 87,846 करोड़ रुपये निवेश किए जा चुके हैं। ?विशेषज्ञों का कहना है कि भारतीय शेयर में रिटेल निवेशक लगातार खरीदारी कर रहे हैं। वहीं विदेशी निवेशक भी अब वापस लौट आए हैं, जिससे शेयर बाजार का रुख सकारात्मक बना हुआ है। ?विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार की ओर से बजट में अप्रत्यक्ष करों के नियमों को आसान बनाया गया है। बजट में शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन टैक्स (एसटीसीजी) को 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत कर दिया गया है। वहीं, लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन टैक्स (एलटीसीजी) को 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 12.5 प्रतिशत कर दिया गया है। पैंटोमैथ कैपिटल एडवाइजर्स की ओर से कहा गया कि कैपिटल गेन टैक्स बढ़ाने से छोटी अवधि में बाजार पर प्रभाव पड़ सकता है, लेकिन लंबी अवधि में इसका इनफ्लो पर भी कोई असर नहीं होगा। बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 11.11 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिससे अर्थव्यवस्था को बड़ा बूस्ट मिलेगा। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट 8.2 प्रतिशत थी।

अमेरिका की जनता के मूड को भांपने वाला सर्वे- ट्रंप और कमला में से कौन बनेगा राष्ट्रपति

वॉशिंगटन(ईएमएस)। नवंबर में अमेरिका में राष्ट्रपति के लिए चुनाव होने हैं। एक ताजा सर्वेक्षण में कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रम्प के बीच राष्ट्रपति पद की दौड़ में कांटे की टक्कर देखने को मिली है। सर्वेक्षण से पता चलता है कि हैरिस और ट्रम्प दोनों अपने-अपने अभियानों में स्पष्ट सार्वजनिक छवि विकसित करने की दिशा में काम कर रहे हैं। कमला हैरिस को 46 प्रतिशत उत्तरदाताओं द्वारा अनुकूल माना, जबकि 52 प्रतिशत ने उन्हें प्रतिकूल रूप से देखा। उल्लेखनीय है कि यह उनके चुनावी करियर का सबसे सकारात्मक सर्वेक्षण परिणाम है। ट्रम्प की तुलना में कमला हैरिस, आव्रजन, अर्थव्यवस्था, विदेशी संबंधों और अपराध जैसे मुद्दों पर अधिक सक्षम नजर आ रही हैं, हालांकि गर्भपात जैसे मुद्दे पर हैरिस को 51 प्रतिशत समर्थन मिला। जबकि ट्रम्प को 33 प्रतिशत मत प्राप्त हुए।

हाल ही में वॉल स्ट्रीट जर्नल द्वारा किए गए सर्वेक्षण में पता चला है कि अमेरिका में राष्ट्रपति पद की दौड़ बेहद करीबी हो गई है। सर्वेक्षण के अनुसार, डोनाल्ड ट्रम्प को 49 प्रतिशत वोट मिले हैं, जबकि कमला हैरिस को 47 प्रतिशत वोट प्राप्त हुए हैं। इससे पहले ट्रम्प ने राष्ट्रपति जो बाइडन से छह अंकों की बढ़त बनाई थी, लेकिन अब दौड़ में एक नई गति देखने को मिल रही है।इस सर्वे में जब अन्य स्वतंत्र और तीसरे पक्ष के उम्मीदवारों को शामिल किया गया, तो कमला हैरिस को 45 प्रतिशत समर्थन मिला, जबकि ट्रम्प को 44 प्रतिशत समर्थन प्राप्त हुआ। रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर को केवल 4 प्रतिशत उत्तरदाताओं का समर्थन मिला और 5 प्रतिशत ने किसी पर भरोसा नहीं जताया। पिछले सर्वेक्षणों में बाइडन इन बहु-उम्मीदवार परिदृश्यों में ट्रम्प से छह अंकों से पीछे थे। सर्वेक्षण में यह भी सामने आया है कि 48 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना है कि ट्रम्प जो कि 78 वर्ष के हैं, राष्ट्रपति के रूप में सेवा करने के लिए बहुत बूढ़े हैं। इसके विपरीत केवल 2 प्रतिशत ने हैरिस के बारे में यही चिंता जताई। कमला हैरिस फिलहाल 59 वर्ष की हैं। इसके अतिरिक्त, 46 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना है कि हैरिस के पास राष्ट्रपति के रूप में सेवा करने के लिए सही गुण हैं, जबकि ट्रम्प के बारे में केवल 38 प्रतिशत का यही मानना है।

रुस ने किया नया नाटो बनाने की घोषणा, कई आसियान देशों ने दिखाई रुचि

वियनतियाने,(ईएमएस)। रूस ने आसियान शिखर सम्मेलन में यूरेशियाई नाटो का ऐलान किया है। इस बैठक में शामिल हुए रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि कई आसियान देशों ने यूरेशिया में नई सुरक्षा संरचना बनाने के रूस के विचार में रुचि दिखाई है। उन्होंने कहा कि सदस्य देश चाहते हैं कि पश्चिम चीन और रूस को नियंत्रित करने के लिए आसियान के भीतर संकीर्ण प्रारूपों पर जोर दे रहा है। इसे अमेरिका के नेतृत्व वाले नाटो के जवाब के तौर पर देखा जा रहा है।

अमेरिका ने नाटो शीत युद्ध के दौरान रूस का मुकाबला करने के लिए बनाया था। इस गठबंधन में वर्तमान में 32 देश शामिल हैं। इस गठबंधन का सबसे नवीन सदस्य देश स्वीडन है। लावरोव ने शिखर सम्मेलन की मंत्रिस्तरीय बैठक के बाद कहा कि पश्चिम अभी भी एक स्पष्ट लक्ष्य के साथ संकीर्ण प्रारूपों पर जोर दे रहा है, यह इसे छिपाता नहीं है कि उनका जोर चीन और रूस को नियंत्रित करने पर है।

हमारे आसियान साझेदार इसे अच्छी तरह से समझते हैं और उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की पहल में रुचि दिखाई है, जिसका यहां उल्लेख किया गया है, एक यूरेशियाई सुरक्षा प्रणाली जो अविभाज्य और समान होगी। रूसी विदेश मंत्री ने कहा कि वार्ता में यूरेशियाई महाद्वीप के सभी देशों के लिए एक अविभाज्य सुरक्षा प्रणाली तैयार करने की जरुरत पर चर्चा की गई, जिसमें शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) और यूरेशियाई आर्थिक संघ ऐसे प्रयासों के अच्छे उदाहरण हैं। लावरोव ने कहा कि रूस संयुक्त परमाणु हमले की योजना को अंजाम देने की अमेरिका और दक्षिण कोरिया की योजनाओं के बारे में चिंतित है। उन्होंने कहा कि एक और चिंताजनक पहलू यह है कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने हाल ही में दक्षिण कोरिया के साथ संयुक्त परमाणु योजना पर एक समझौता किया है। इस समझौते का क्या मतलब है, इसका स्पष्टीकरण भी नहीं मिल पाया है, लेकिन हमें इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह अतिरिक्त चिंता का कारण बनता है।

चीन में भारी बारिश से तबाही, घर की मिट्टी धंसने से 11 की गई जान

बीजिंग,(ईएमएस)। चीन में बारिश के बाद आई बाढ़ ने कई इलाकों में तबाही मचा दी है। रविवार को दक्षिण-पूर्वी चीन में एक घर में मिट्टी धंस गई जिससे 11 लोगों की मौत हो गई। ट्रॉपिकल तूफान आने से हो रही भारी बारिश के चलते पूरा इलाका नदी में तब्दील हो गया है। शनिवार को भी शंघाई में एक पेड़ के गिरने से स्कूटर पर सवार एक डिलीवरी बॉय की मौत हो गई।

चीन पहुंचने से पहले तूफान गेमी ने फिलीपींस में भी खूब तबाही मचाई। इसमें कम से कम 34 लोगों की मौत हो गई। ताइवान के द्वीप में भी तूफान गेमी कहर बरपा रहा है, जहां अब तक मरने वालों की संख्या दस हो गई है। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है रविवार सुबह करीब 8 बजे युएलिन गांव में एक घर में मिट्टी धंस गई, जिसमें 11 लोगों की दबने से मौत हो गई जो हुनान प्रांत के हेंगयांग शहर में आता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारी बारिश के चलते पहाड़ों से बहते पानी के कारण यह भूस्खलन हुआ। चीन मौसम विभाग ने कहा कि ट्रॉपिकल तूफान से जुड़ी बारिश ने हुनान प्रांत के दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में तबाही मचा रखी है।

प्रीति प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंची

पेरिस (ईएमएस)। भारतीय महिला मुक्केबाज प्रीति पवार पेरिस ओलंपिक के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। प्रीति ने 54 किग्रा भार वर्ग में पहले दौर के मुकाबले में वियतनाम की वो थी किम अन्ह को 5-0 से हरा दिया। अब दूसरे दौर में उनका सामना दूसरी वरीयता प्राप्त कोलंबिया की येनी एरियास से होगा। वियतनामी मुक्केबाज के खिलाफ मुकाबले में प्रीति हावी रहीं। शुरुआत में उन्हें कुछ मुश्किल हुई

हिजबुल्लाह ने बरसाईं मिसाइलें, 12 लोगों की मौत

येरुशलम(ईएमएस)। इजरायल के कब्जे वाले गोलान हाइट्स इलाके के एक गांव में कई रॉकेटों के हमले में बच्चों समेत कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई। इस हमले को इजरायल ने 7 अक्टूबर के बाद से अपने खिलाफ सबसे घातक हमला बताया है। इजरायल ने कहा कि उसने लेबनान से इजरायली क्षेत्र में घुसने वाले लगभग 30 रॉकेटों की पहचान की है। उसने इस हमले के लिए ईरान से समर्थन हासिल कर रहे लेबनानी आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह को जिम्मेदार ठहराया है।

इस घटना ने इजरायल-लेबनान सीमा पर लंबे समय से चल रहे संघर्ष में बड़े पैमाने पर बढ़ोतरी की आशंका जताई है। कुछ इजरायली राजनेताओं ने जवाबी कार्रवाई की मांग की है। मगर सबसे बड़ा सवाल यह है कि इजरायल जिस आयरन डोम सिस्टम को अपना रक्षा कवच बताता आ रहा है, वह इस घटना में किस तरह नाकाम साबित हुआ है। इसके पहले भी जब हमास ने इजरायल पर पिछले साल अक्टूबर में अचानक हमला बोला था तो आयरन डोम की क्षमता के बारे में सवाल उठाए गए थे। इजरायल का आयरन डोम अरबों डॉलर की लागत से बनाया गया है। मगर जब भी कोई बड़ा हमला होता है तो वह उसे रोकने में नाकाम ही दिखाई देता है। इसलिए हर एंटी मिसाइल सिस्टम की कमियां किसी बड़े हमले के वक्त ही दिखाई देती हैं।

वजन कम करने वाली दवाओं से अंधेपन का खतरा

-अमेरिकी वैज्ञानिकों ने किया शोध के बाद बडा दावा

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका में मैसाचुसेट्स आई एंड इयर हॉस्पिटल द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि वजन घटाने वाली दवाएं लेने वाले मोटे मरीजों में नॉन-आर्टेरिटिक एंटीरियर इस्केमिक ऑप्टिक न्यूरोपैथी (एनएआईओएन) विकसित होने का सात गुना अधिक जोखिम होता है, जिससे एक आंख की दृष्टि अचानक समाप्त हो सकती है।

मधुमेह के लिए सेमाग्लूटाइड युक्त दवाइयों का उपयोग करने वाले रोगियों में नेयोन विकसित होने का जोखिम काफी बढ़ गया है - चार गुना से भी अधिक। मैसाचुसेट्स आई एंड ईयर में न्यूरो-ऑप्थल्मोलॉजी सर्विस के निदेशक, मुख्य लेखक जोसेफ रिज़ो ने कहा, यह जानकारी हमारे पास पहले नहीं थी और इसे रोगियों और उनके डॉक्टरों के बीच चर्चा में शामिल किया जाना चाहिए, खासकर अगर रोगियों को ग्लूकोमा जैसी अन्य ज्ञात ऑप्टिक तंत्रिका समस्याएं हैं या यदि अन्य कारणों से पहले से ही महत्वपूर्ण दृश्य हानि है।

रिज़ो ने इस बात पर ज़ोर दिया कि बढ़ा हुआ जोखिम एक दुर्लभ विकार से जुड़ा है, और वज़न घटाने वाली दवाओं और आँखों की बीमारी के बीच संबंध के अंतर्निहित कारणों को समझने के लिए अतिरिक्त शोध की आवश्यकता है। इसलिए, रिज़ो ने सुझाव दिया कि इन परिणामों को महत्वपूर्ण लेकिन प्रारंभिक प्रकृति का माना जाना चाहिए। नेयोन को असामान्य माना जाता है, जो अमेरिकन एकेडमी ऑफ ऑप्थैल्मोलॉजी की रिपोर्ट के अनुसार प्रति 100,000 लोगों में 2 से 10 व्यक्तियों को प्रभावित करता है। ऐसा माना जाता है कि यह ऑप्टिक तंत्रिका के सिर में रक्त परिसंचरण में कमी के कारण होता है, जिसके परिणामस्वरूप एक आँख में अपरिवर्तनीय दृष्टि हानि होती है।शोधकर्ताओं ने मधुमेह या मोटापे से पीड़ित 17,000 से अधिक अस्पताल के मरीजों से जानकारी की जांच की, जिन्हें वजन घटाने के लिए सेमाग्लूटाइड-आधारित दवाएं या अन्य दवाएं निर्धारित की गई थीं।

रिज़ो ने कहा, इन दवाओं का उपयोग औद्योगिक देशों में तेजी से बढ़ा है और उन्होंने कई मायनों में बहुत महत्वपूर्ण लाभ प्रदान किए हैं, लेकिन एक मरीज और उनके चिकित्सक के बीच भविष्य की चर्चाओं में संभावित जोखिम के रूप में नेयोन को शामिल किया जाना चाहिए। बता दें कि हाल ही में किए गए एक अध्ययन में कुछ वजन घटाने वाली दवाओं और एक दुर्लभ स्थिति के बीच संबंध पाया गया है जो अंधेपन का कारण बन सकती है। ओज़ेम्पिक और वेगोवी जैसी ये दवाएँ अक्सर मधुमेह या मोटापे के रोगियों को दी जाती हैं। इनमें सेमाग्लू टाइड नामक प्रोटीन होता है जो इंसुलिन उत्पादन को उत्तेजित करके रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में सहायता करता है।

श्रीलंका ने पहली बार जीता महिला एशिया कप का खिताब, 8 विकेट से भारत को हराकर तोड़ा सपना

नई दिल्ली। भारतीय टीम महिला और श्रीलंकाई टीम के बीच महिला एशिया टी20 कप 2024 का फाइनल मैच खेला गया। श्रीलंका ने भारत को 8 विकेट से हराकर पहली बार एशिया कप का खिताब जीता। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 165 रन बनाए थे। श्रीलंका ने दो विकेट खोकर 167 रन बनाकर मैच जीत लिया।

भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 165 रन बनाए। स्मृति मंधाना ने सर्वाधिक 60 रन बनाए। जेमिमा ने 29 रन का योगदान दिया। आखिर में ऋचा घोष ने 14 गेंद पर 30 रन की तेज पारी खेली। श्रीलंका की तरफ से कविशा दिलहारी को दो विकेट मिले।

लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका ने पहला विकेट जल्दी गंवा दिया था। विश्मी गुनारत्ने 1 रन बनाकर रन आउट हो गईं। हालांकि, कप्तान चमारी अटापट्टू और हर्षिता समरविक्रमा ने संभल कर खेलते हुए टीम के लिए जीत की नींव रख दी। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 87 रन की साझेदारी हुई। कप्तान अटापट्टू ने 61 रन की पारी खेली। वहीं, समरविक्रमा नाबाद रहते हुए 69 रन बनाए। भारत के तरफ से दीप्ति शर्मा को एक विकेट मिला।

महिला एशिया कप 2024 में श्रीलंका ने भारत को हराकर इतिहास रच दिया। श्रीलंका ने पहली बार महिला एशिया कप पर कब्जा जमाया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 165 रन बनाए। श्रीलंका ने लक्ष्य का पीछा करते हुए एकतरफा मुकाबला जीता। कप्तान चमारी अटापट्टू और हर्षिता समरविक्रमा ने अर्धशतकीय पारी खेली। श्रीलंका ने भारत को 8 विकेट से हराया।

भारतीय महिला टीम एशिया कप में अपना 9वां फाइनल मैच खेल रही थी। सभी को लग रहा था कि भारतीय टीम आसानी से अपना 8वां खिताब जीत जाएगा, लेकिन श्रीलंका ने भारत का विजयी रथ रोका। इससे पहले भारत ने एक भी मैच नहीं गंवाया था। श्रीलंका ने पहली बार महिला एशिया कप पर कब्जा जमाया।

अगर मैं राष्ट्रपति बना तो अमेरिका क्रिप्टो की राजधानी बन जाएगा

- ट्रम्प ने व्हाइट हाउस वापस आने पर क्या-क्या करेंगे बताया प्लान

नैशविले,(ईएमएस)। रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने नैशविले में बिटकॉइन सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि अगर वह व्हाइट हाउस वापस आते हैं यानी अमेरिकी राष्ट्रपति बनते हैं तो आने वाले दिनों में अमेरिका क्रिप्टो की राजधानी बन जाएगा। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह आज बिटकॉइन समुदाय को संबोधित करने के लिए दो सरल शब्दों की वजह से आए हैं। अमेरिका फर्स्ट अगर हम ऐसा नहीं करते हैं, तो चीन और दूसरे देश ऐसा करने जा रहे हैं। आइए इसे करें और इसे सही तरीके से करे।

ट्रम्प ने कहा कि अगर क्रिप्टो करेंसी भविष्य को परिभाषित करने जा रहा है तो मैं चाहता हूं कि इसे यूएसए में खनन किया जाए। ट्रंप ने कहा कि बिटकॉइन का मतलब आजादी, संप्रभुता और सरकार, दबाव और नियंत्रण से मुक्ति है। ट्रम्प ने कहा कि अपने राष्ट्रपति पद के पहले दिन ही वे अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग के अध्यक्ष गैरी जेन्सलर को अपने पद से हटाएंगे लेकिन कमला हैरिस गैरी को वित्त मंत्री बनाना चाहती हैं।

ट्रम्प ने कहा कि वह ऑपरेशन चोक पॉइंट 2.0 को खत्म करेंगे और बिटकॉइन और क्रिप्टो के लिए एक काउंसिल बनाएंगे। इस कार्यक्रम में ट्रम्प के भाषण में देरी हुई क्योंकि मेजबान ने कहा कि वे एक स्पेशल गेस्ट का इंतजार कर रहे थे। लोगों ने अनुमान लगाया कि शायद वह एलन मस्क हों। अपने भाषण में ट्रम्प ने एलन मस्क और इलेक्ट्रिक कारों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि हर किसी के पास चीन में बनी इलेक्ट्रिक कार नहीं होनी चाहिए जो ज्यादा दूर तक न जाए। मुझे एलन मस्क पसंद है और मैं उनके समर्थन के लिए उनका धन्यवाद करता हूं। मुझे इलेक्ट्रिक कारें भी पसंद हैं। मुझे लगता है कि उनकी कार बहुत अच्छी है लेकिन हर कोई ऐसा नहीं है।

उन्होंने कहा कि वे बिटकॉइन और क्रिप्टो में चंदा कबूल कर रहे हैं। ट्रम्प ने कहा कि अगर डेमोक्रेट जीतते हैं, तो आप सभी चले जाएंगे। वे क्रूर होंगे। उन्होंने कहा कि रिपब्लिकन को बहुत बड़ी जीत मिलनी चाहिए। हैरिस तो जो बाइडन से भी बदतर है, वह एक कट्टरपंथी, पागल है, वह क्रिप्टो के खिलाफ है। अब थोड़ा हनीमून पीरियड चल रहा है। उन्होंने कहा कि बाजार आसमान छू रहे हैं क्योंकि उन्हें उम्मीद है कि ट्रंप राष्ट्रपति बनेंगे। ट्रंप ने कहा कि मेरी एक पोती है जो धाराप्रवाह चीनी बोल सकती है। क्या आप इस पर भरोसा कर सकते हैं? लेकिन आपको ऐसा करने की जरूरत नहीं है. आपको चीन जाने की जरूरत नहीं है।

कर्जों में राहत के लिए चीनी अधिकारियों से बात कर रहा पाकिस्तान

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था कर्जों पर चल रही है। जिन देशों से पाकिस्तान ने कर्जे लिए हैं उन्हें वह वापस भी नहीं कर पा रहा है। ऊर्जा क्षेत्र में कर्जों की रिशेडयूलिंग के लिए चीनी अधिकारियों के साथ पाकिस्तान बातचीत कर रहा है। कर्जों में राहत मांगने के लिए पाकिस्तानी वित्त मंत्री मोहम्मद औरंगजेब हाल ही में चीन पहुंचे। पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना के एक बयान के अनुसार वित्त मंत्री मोहम्मद औरंगजेब ने चीन के केंद्रीय बैंक के गवर्नर पैन गोंगशेंग से मुलाकात की और द्विपक्षीय वित्त सहयोग पर विचारों का आदान प्रदान किया। इससे जुड़े लोगों को बातचीत के नतीजों को लेकर चिंता है। उन्हें डर है कि अगर चीजें इच्छानुसार न हुईं तो विदेशी निवेश और विनिमय दर स्थिरता पर महत्वपूर्ण असर पड़ सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक स्थिति पर करीब से नजर रखने वाले एक वरिष्ठ बैंकर ने कहा, हमारा मानना है कि चीन ऊर्जा क्षेत्र के ऋणों को पुनर्निर्धारित करने के पाकिस्तान के अनुरोध को सिरे से खारिज नहीं करेगा, लेकिन अंतिम परिणाम निराशाजनक प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि चीन शुरू से इस मुद्दे पर चर्चा नहीं करना चाहता था, जिस कारण यात्रा में देरी हुई। यह ऊर्जा ऋण संबंधित बातचीत पर पाकिस्तान के साथ चीन की असहमति को दिखाता है। चीन वर्षों से पाकिस्तान का सबसे बड़ा विदेशी निवेशक रहा है। हांगकांग से आने वाला निवेश भी पाकिस्तान के लिए महत्वपूर्ण है जो चीन से अनुमोदित माना जाता है। हालांकि चीन के निवेश में गिरावट देखी गई है। लेकिन इसके बावजूद वित्तीय वर्ष 2024 में वह एफडीआई का सबसे बड़ा स्रोत बना हुआ है। चीन और हांगकांग का निवेश पाकिस्तान के कुल एफडीआई का लगभग आधा था, जिसमें 17 फीसदी की वृद्धि देखी गई। एक अन्य वरिष्ठ बैंकर एसएस इकबाल ने चीन पर पाकिस्तान की बढ़ती निर्भरता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा ?कि चीन पर हमारी निर्भरता बढ़ गई है, क्योंकि हम ऊर्जा क्षेत्र के ऋणों में 15 अरब डॉलर के रिशेडयूलिंग को लेकर बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि चीन ऋण और रिशेडयूलिंग की राहत देता रहता है, जो पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाने में सहायक रहा है।

ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहे भारतीय छात्रों की बढ़ी मुश्किलें

वाशिंगटन(ईएमएस)। भारतीय अमेरिकी बच्चों का अमेरिका से डिपोर्ट होने का रिस्क बढ़ता जा रहा है। दरअसल, जो बच्चे अपने माता-पिता के साथ छोटी उम्र में अमेरिका आए थे उन्हें डॉक्यूमेंटेड ड्रीमर्स कहा जाता है। हालांकि, जैसे ही इन बच्चों की उम्र 21 साल की हो जाएगी तो वह अपने माता-पिता के वीजा पर निर्भर नहीं रह सकते। अमेरिका के इस कानून के कारण ऐसे बच्चों पर निर्वासित होने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे लगभग 2,50,000 से अधिक बच्चे है, जिसमे भारतीय-अमेरिकी बच्चों की संख्या सबसे अधिक हैं।

दरअसल, अमेरिका से डिपोर्ट किए जाने का सबसे बड़ा कारण- बढ़ती उम्र को बताया गया है। नेशनल फाउंडेशन फॉर अमेरिकन पॉलिसी ने 2 नवंबर तक अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा के आंकड़ों को स्टडी किया और पाया कि डिपेंडेंट्स सहित 1.2 मिलियन से अधिक भारतीय वर्तमान में कई कैटगरी में ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहे हैं। यह संख्या फोर्ब्स की एक रिपोर्ट से ली गई है।

जानकारी अनुसार, व्हाइट हाउस ने इसके लिए रिपब्लिकन को दोषी ठहराया है और कहा है कि उन्होंने दो बार द्विदलीय समझौते को खारिज कर दिया था। 13 जून को, आव्रजन, नागरिकता और सीमा सुरक्षा पर सीनेट न्यायपालिका उपसमिति के अध्यक्ष सीनेटर एलेक्स पैडीला और प्रतिनिधि डेबोरा रॉस के नेतृत्व में 43 सांसदों के एक समूह ने बाइडन प्रशासन से इस मुद्दे के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया। सांसदों ने कहा कि भारतीय-अमेरिकी युवा अमेरिका में पले-बढ़े हैं, अमेरिकी स्कूल प्रणाली में अपनी शिक्षा पूरी करते हैं और अमेरिकी संस्थानों से डिग्री लेकर ग्रेजुएट होते हैं। हालांकि, ग्रीन-कार्ड के लिए लंबे समय तक लंबित रहने के कारण, स्वीकृत अप्रवासी याचिकाओं वाले परिवारों को अक्सर स्थायी निवासी का दर्जा पाने के लिए दशकों तक इंतजार करना पड़ता है।

नासा के पास धरती को एस्टेरॉयड्स से बचाने की योजना तैयार

-अमेरिकी एजेंसी बताया 10-वर्षीय रणनीति के बारे में

वाशिंगटन (ईएमएस)। नासा के पास धरती को एस्टेरॉयड्स और कॉमेट से बचाने की योजना तैयार है। लेकिन यह एक ऐसा खतरा है जिसे मानवता ने अंततः गंभीरता से लेना शुरू कर दिया है और इस पर ध्यान दिया जा रहा है। डबल एस्टेरॉयड्स रिडायरेक्शन टेस्ट (डीएआरटी) की सफलता से प्रेरित होकर नासा ने हाल ही में एक नई प्लैनेटरी डिफेंस स्ट्रैटेजी एंड एक्शन प्लान जारी किया है।

इसमें नासा ने चेतावनी देने के लिए संभावित खतरनाक वस्तुओं को खोजने, पहचानने और फिर उन्हें दूर धकेलने के अपने प्रयासों का वर्णन किया है। अमेरिकी एजेंसी की यह 10-वर्षीय रणनीति पृथ्वी के निकट एस्टेरॉयड्स और कॉमेट के साथ विनाशकारी मुठभेड़ से बचाने के प्रयासों को आगे बढ़ाने पर केंद्रित है।नासा के प्लैनेटरी डिफेंस ऑफिसर लिंडले जॉनसन ने कहा, ''पृथ्वी पर एस्टेरॉयड्स के प्रभाव से विनाशकारी तबाही की आशंका है। और यह एकमात्र प्राकृतिक आपदा है जिसे मानवता के पास पूरी तरह से रोकने के लिए पर्याप्त तकनीक है।'' ''नासा की इस रणनीति के जारी होने से अगले 10 वर्षों के लिए नासा के इरादे मजबूत हो गए हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि एजेंसी सभी के लाभ के लिए हमारे ग्रह की रक्षा के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करे।''नासा ने प्लैनेटरी डिफेंस स्ट्रैटेजी एंड एक्शन प्लान 18 अप्रैल, 2023 को जारी किया था।

यह एक अन्य दस्तावेज का अनुसरण करता है जिसे 3 अप्रैल को व्हाइट हाउस ऑफिस ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पॉलिसी, ''नेशनल प्रिपेयर्डनेस स्ट्रैटेजी'' द्वारा जारी किया गया था। पृथ्वी को खतरों से बचाने और ग्रहों की रक्षा के लिए कार्य योजना'' प्रत्येक रिपोर्ट प्रभाव के खतरों का पता लगाने, लक्षणों का ब्योरा और प्रतिक्रियाओं को बढ़ाने के साथ-साथ सरकारी एजेंसियों के बीच रणनीतियों के समन्वय के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग में सुधार करने पर केंद्रित है। नासा सभी नियर अर्थ ऑब्जेक्ट्स (एनईओ) की एक पूर्ण सूची बनाने की दिशा में काम कर रहा है। एनईओ सर्वेक्षण से यह पता लगाना है और प्रयासों में सुधार करना है, जो पृथ्वी पर खतरा पैदा कर सकते हैं। स्पेस एजेंसी ने का डबल एस्टेरॉयड्स रिडायरेक्शन टेस्ट (डीएआरटी) मिशन पूरा किया। यह दुनिया का पहला ग्रह रक्षा परीक्षण मिशन था जिसने अंतरिक्ष यान का उपयोग करके एस्टेरॉयड्स डिफ्लेक्शन की एक विधि का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया।

अमेरिकी सरकारी एजेंसी ने नीयो तैयारियों और प्रतिक्रिया योजना को बढ़ाने का काम किया। इसके लिए उसने अगले 10 वर्षों के भीतर सभी उद्देश्यों को पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। नासा का आकलन है कि नियर अर्थ ऑब्जेक्ट्स (एनईओ) का व्यास 10 मीटर (33 फीट) से लेकर 10,000 मीटर (33,000 फीट) से अधिक है और यह पृथ्वी की कक्षा के 42 मिलियन किमी (30 मिलियन मील) के भीतर आता है। दशकों से, वैज्ञानिक और अन्य जानकार मानवता को किसी बिंदु पर निश्चित रूप से क्या होगा इसकी तैयारी करने की आवश्यकता पर जोर दे रहे हैं। अपोलो अंतरिक्ष यात्री रस्टी श्वेकार्ट ने ग्रहों की रक्षा के बारे में कई बार बात की है।

नासा को मिली चट्टान.....मंगल ग्रह में कभी जीवन रहा होगा इसके प्रमाण

वॉशिंगटन (ईएमएस)। मंगल ग्रह को लेकर वैज्ञानिकों के मन में हमेशा कौतूहल रहा है। नासा के पर्सीविरेंस रोवर ने मंगल ग्रह पर एक बड़ी खोज की है। इस खोज से लाल ग्रह पर प्राचीन जीवन के प्रमाण मिले हैं।

रोवर ने हाल ही में एक दिलचस्प चट्टान के नमूनों की खोज की है। इसका नाम चेयावा फॉल्स है, जिसमें कार्बनिक अणु और संरचनाएं हैं, जो माइक्रोबियल जीवन की ओर से बनाई गई हो सकती हैं। यह चट्टान एक प्राचीन नदी घाटी में मिली थी, जिससे पता चलता है कि इस ग्रह कभी जीवन रहा होगा।

नासा ने कहा, चट्टान केमिकल सिग्नेचर और संरचनाओं को प्रदर्शित करती है, जो संभवतः अरबों साल पहले जीवन की ओर से बनी हो सकती है। तब जिस इलाके में सैंपल लिए गए वहां पर पानी था। नासा की वैज्ञानिक केटी स्टैक मॉर्गन ने कहा, हम यह नहीं कह सकते कि यह जीवन का संकेत है। लेकिन यह अब तक हमें मिला सबसे आकर्षक नमूना है। रोवर के रॉक कोर का नमूना 21 जुलाई को इकट्ठा किया गया था।

एक चौथाई किलोमीटर के चौड़ी एक प्राचीन नदी घाटी के किनारे पर यह मिला था। पत्थर की माप 3.2 फीट गुना 2 फीट है और इसका नाम ग्रांड कैन्यन झरने के नाम पर रखा गया था। चेयावा फॉल्स पर्सीवरेंस रोवर की ओर से अब तक जांच की गई सबसे रहस्यमय, जटिल और संभावित महत्वपूर्ण चट्टान थी। उन्होंने कहा, चट्टान में कार्बनिक पदार्थ की सम्मोहक खोज हुई है। इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि जीवन के लिए आवश्यक पानी चट्टान से होकर गुजरा था।

उन्होंने कहा, दूसरी ओर हम यह निर्धारित करने में असमर्थ हैं कि चट्टान कैसे बनी और किस हद तक आस-पास की चट्टानों ने चेयावा फॉल्स को गर्म किया और इन विशेषताओं में योगदान दिया। वैज्ञानिक अब चट्टान के नमूने और उसकी संरचनाओं का अध्ययन करना जारी रखने वाले है। नासा अगले कुछ वर्षों में मंगल ग्रह से चट्टानी सैंपल लाने वाले मिशन को चलाएगा।

हवा में सेक्स रैकेट का धमाका; एक महिला बांग्लादेश से वीजा पर आई थी

सूरतः सूरत के उधना इलाके में पिछले एक महीने से चल रहे सेक्स रैकेट के धंधे का भंडाफोड़ हो गया है. ये गिरफ्तार लोगों के मोबाइल फोन से महिलाओं की तस्वीरें ग्राहकों को भेजते थे और धंधा चलाते थे. इस मामले में उधना पुलिस को विश्वसनीय सूत्र से जानकारी मिली. इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया.

पुलिस को मिली सूचना के आधार पर उनके ही इलाके में प्रभुनगर सोसायटी के प्लॉट नंबर 1 की पहली मंजिल पर छापेमारी हुई. पुलिस ने छापेमारी कर सेक्स रैकेट चलाने वाले कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है. जिसमें अरविंद लखानी, नूरजमल शेख, सकोर नमुल्लर, अपतार उद्दीन मुल्ला और आरिफ आलम खान को गिरफ्तार किया गया है.

पुलिस ने यहां से दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है. जिसमें एक महिला बांग्लादेश से वीजा पर भारत आई थी. इस मामले में सूरत पुलिस के डीसीपी भागीरथ गढ़वी ने बताया कि उधना पुलिस स्टेशन की सर्विलांस टीम को सूचना मिली थी कि इलाके में देह व्यापार का धंधा चल रहा है. जहां पुलिस छापेमारी कर दो महिलाओं को मुक्त कराना है.

डीसीपी ने आगे बताया कि दो महिलाओं को रिहा कर दिया गया है, जबकि एक ग्राहक समेत कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है. गिरफ्तार पांचों लोगों के मोबाइल फोन मिल गए हैं. अगर ये लोग मोबाइल के जरिए महिलाओं की फोटो भेजते थे और ग्राहकों को महिलाओं के पास ले जाते थे.

फिलहाल पुलिस प्राप्त सभी जानकारी कीजांचकरआगे की कार्रवाई कर रही है. साथ हीइस बात की भी जांच शुरू करदीगई है कि बांग्लादेशी महिलाएं इस कारोबार से कैसे जुड़ सकती हैं. साथ ही इस बात की भी जांच की जा रही है कि इस धंधे में और कौन-कौन महिलाएं शामिल हैं और गिरफ्तार आरोपियों का कोई आपराधिक इतिहास तो नहीं है.

बारिश के मौसम के बीच शहर के सभी क्षेत्रों में ऊबड़-खाबड़ सड़कों से लोग परेशान

सूरत शहर में लगभग सभी जोन में सड़कों की हालत खराब देखी जा रही है। सड़क निर्माण एजेंसियों द्वारा जब निविदा प्रक्रिया में भाग लेकर कार्य प्राप्त किया जाता है तो कार्य की गुणवत्ता संबंधी सभी शर्तें स्वीकार की जाती हैं। लेकिन सड़क की गुणवत्ता हमेशा संदेह के घेरे में रहती है।

सूरत के उधना दरवाजा, भठेना, कतारगाम, पूना, अडाजण, रांदेर, वराछा समेत कई सड़कों को लेकर स्थानीय लोग परेशान हैं। खासकर सड़कें टूटी होने से वाहन चालकों में दुर्घटना का भय बना रहता है।

सूरतशहरकेमहापौर दक्षेश मावानी ने कहा कि नगर निगम आयुक्त को पत्र लिखकररिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया गया है। शहर की सभी सड़कों का सर्वे कार्य पूरा कर सात दिनों के अंदर किस क्षेत्र में कितनी सड़कों पर काम हुआ, इसकी रिपोर्ट मांगी गयीहै।गौरतलब है कि हरमानसून में बाढ़ के बाद सड़कों की समस्या हो जाती है।आखिरजनता केटैक्स के पैसे से बनी सड़कों पर जनता का ही गुजरना मुश्किल हो रहा है।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सोमवार को सापुतारा मेघ मल्हार पर्व-2024 का उद्घाटन करेंगे

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल सोमवार, 29 जुलाई को डांग जिले के एक दिवसीय दौरे पर जाएंगे।

मुख्यमंत्री गुजरात के एकमात्र हिल स्टेशन सापुतारा में पर्यटन के साथ-साथ स्थानीय रोजगार को और भी अधिक बढ़ावा देने के उद्देश्य से पर्यटन विभाग और गुजरात पर्यटन निगम की ओर से आयोजित होने वाले सापुतारा मेघ मल्हार पर्व 2024 का उद्घाटन करेंगे। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा और दिशानिर्देश में 2009 से मानसून फेस्टिवल की शुरुआत की गई है।

प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी वर्षा ऋतु में 29 जुलाई से 28 अगस्त, 2024 के दौरान एक माह तक चलने वाले सापुतारा मानसून फेस्टिवल का भव्य आयोजन किया गया है। यह फेस्टिवल 29 जुलाई को सापुतारा स्थित बोट हाउस ग्राउंड में पर्यटन निगम के स्वामित्व वाली तोरण होटल के सामने रंगारंग परेड के साथ शुरू होगा। इस परेड में स्थानीय संगीत वाद्ययंत्रों, मनोरंजक पात्रों, अलग-अलग वेशभूषा में सुसज्जित पात्रों और डांगी आदिवासी नृत्य सहित विभिन्न प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

रंगारंग परेड के बाद सापुतारा झील के पास तैयार किए गए डोम में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम के समापन के बाद मुख्यमंत्री सापुतारा सर्कल के पास 'रेन रन मैराथन' को हरी झंडी दिखाएंगे। इसके अलावा, यहां आने पर्यटकों को डांग की स्थानीय संस्कृति से रूबरू कराने और स्थानीय कलाकारों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्य डोम में शुक्रवार, शनिवार और रविवार तथा सार्वजनिक अवकाश के दिनों में तथा सापुतारा मेन सर्कल एवं गवर्नर हिल में शाम को विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इतना ही नहीं, आगामी जन्माष्टमी के दिन एक विशेष दही-हांडी कार्यक्रम का भी शानदार आयोजन किया गया है।

मानसून फेस्टिवल के दौरान पर्यटक सापुतारा के आसपास स्थित 18 मुख्य दर्शनीय स्थलों का लुत्फ उठा सकते हैं। जिनमें इको टूरिज्म कैम्प साइट-महल, एक्वेरियम, इको पॉइंट, गांधर्वपुर आर्टिस्ट विलेज, गीरा जलप्रपात, गवर्नर हिल, हाथगढ़ का किला, मधुमक्खी केंद्र, संग्रहालय, नागेश्वर महादेव मंदिर, पूर्णा अभयारण्य, रोज (गुलाब) गार्डन, सापुतारा झील, सापुतारा आदिवासी संग्रहालय, स्टेप गार्डन, सनराइज पॉइंट, सनसेट पॉइंट और प्रसिद्ध वांसदा नेशनल पार्क शामिल है।

इसके साथ ही, पेपर क्राफ्ट वर्कशॉप और तीरंदाजी अभ्यास सत्र, वारली आर्ट, हैंडीक्राफ्ट और फोटोग्राफी प्रदर्शनी भी पर्यटकों को आकर्षित करेगी। सापुतारा की पहाड़ियों का सुहाना वातावरण और प्राकृतिक सौंदर्य हमेशा से पर्यटकों की पहली पसंद रहा है। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार के पर्यटन निगम की ओर से आयोजित होने वाले इस मानसून फेस्टिवल के परिणामस्वरूप यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। सापुतारा फेस्टिवल में पर्यटकों के आगमन से डांग और उसके आसपास के क्षेत्रों में रोजगार के साथ-साथ आय के स्रोत भी बढ़े हैं, जिससे स्थानीय लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है।

गुजरात के 'चेरापुंजी' के रूप में मशहूर सापुतारा में प्रतिवर्ष मानसून के दौरान औसतन 255 सेंटीमीटर वर्षा होती है, जिससे इस क्षेत्र में प्रकृति सोलह कलाओं से खिल उठती है। कुदरत की यह छटा गुजरात सहित देश और दुनिया के सैलानियों को विशेष रूप से आकर्षित करती है।

गुजरात का एकमात्र हिल स्टेशन सापुतारा समुद्र तल से लगभग 3000 फुट की ऊंचाई पर स्थित है। गुजरात पर्यटन ने सापुतारा को एक योजनाबद्ध हिल स्टेशन के रूप में विकसित किया है, जहां गेस्ट हाउस, उद्यान, स्विमिंग पुल, बोट क्लब, ऑडिटोरियम, रोप-वे और म्यूजियम जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। अथाह प्राकृतिक सौंदर्य वाले हिल स्टेशन सापुतारा में मुख्यमंत्री की उपस्थिति में आयोजित होने वाले उद्घाटन समारोह में आदिजाति विकास राज्य मंत्री श्री कुंवरजी हळपति, विधानसभा के उप मुख्य सचेतक और डांग के विधायक श्री विजयभाई पटेल तथा वलसाड के सांसद श्री धवलभाई पटेल आदि मौजूद रहेंगे।

वराछा में 6 करोड़ की डुप्लीकेट घड़ियों का भंडाफोड़, ब्रांडेड कंपनी का डुप्लीकेट

सूरत : सूरत में नकली घी, पनीर के बाद अब डुप्लीकेट घड़ियों का कारोबार भी तेजी से फल-फूल रहा था। वराछा इलाके में एक दुकान में ब्रांडेड घड़ियों के नाम पर डुप्लीकेट घड़ियां बेचकर ग्राहकों को ठगा जा रहा था। एक ब्रांडेड घड़ी कंपनी की शिकायत के बाद यह मामला सामने आया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कंपनी को सूचना मिली थी कि शहर के पूना इलाके में स्थित इंटरनेशनल फैशन मार्केट में आशीर्वाद वॉच नामक दुकान में ब्रान्डेड कंपनी की घड़ियों की नकल की जा रही है। कंपनी ने इस मामले में कानूनी कार्रवाई करते हुए कॉपीराइट और ट्रेडमार्क का उल्लंघन होने की शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत के आधार पर कोर्ट के आदेश पर कंपनी के अधिकारियों ने पुलिस के साथ मिलकर छापेमारी की। छापेमारी में दुकान से बड़ी संख्या में डुप्लीकेट घड़ियां बरामद हुईं। इन घड़ियों को 300 रुपये से लेकर 1300 रुपये तक की कीमत पर बेचा जा रहा था। दुकानदार देशभर में ऑनलाइन इन घड़ियों की सप्लाई भी कर रहा था। कंपनी के अनुसार, जब उनकी घड़ी सर्विस सेंटर पर मरम्मत के लिए आई तो घड़ी के मैकेनिज्म पर संदेह हुआ। तकनीकी जांच में पता चला कि यह घड़ी डुप्लीकेट है। जांच में यह भी सामने आया कि कंपनी की अन्य ब्रांडेड घड़ियों की भी नकल की जा रही थी।

कंपनी के मुताबिक, इन घड़ियों का निर्माण बेहद कम लागत में किया जाता था और इन्हें ब्रांडेड कंपनी की घड़ी बताकर ऊंचे दामों पर बेचा जाता था। जांच में पता चला है कि पीयूष विरडीया नाम का शख्स एसएस एंटरप्राइजेज, निवान फैशन और आशीर्वाद एंटरप्राइजेज के नाम से डुप्लीकेट घड़ियां बेच रहा था। कंपनी के अनुसार, इस साल करीब 6 करोड़ रुपये की डुप्लीकेट घड़ियां बेची गई हैं। कंपनी ने इस मामले में आरोपी के खिलाफ ट्रेडमार्क और कॉपीराइट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कराया है।

एसएमए ने जुलाई महीने में व्यापारी भाइयों को 1.75 करोड़ रुपए समाधान करवा कर दिलवाए

सूरत : सूरत मर्कन्टाइल एसोसिएशन की 179 वीं नियमित साप्ताहिक समस्या समाधान मीटिंग का आयोजन व्यापारी भाईयों की निःस्वार्थ सेवा में 28 जुलाई 2024 रविवार को प्रातःकाल 9.30 से 10.30 बजे तक माहेश्वरी भवन,बोर्ड रुम पहला माला पर सीटी लाइट के प्रांगण में ठएस एम ठ प्रमुख नरेन्द्र साबू व उनकी पूरी पंच पैनल एवं कोर कमेटी टीम की अगुवाई में आयोजित की गई।

इस सप्ताह की मीटिंग में 90 व्यापारी भाईयों की सादर उपस्थिति रही और 15 आवेदन पत्र समस्या समाधान हेतु सुनवाई हुई, जिसमें से 1 आवेदन का समाधान तुरंत बातचीत द्वारा किया गया तथा शेष मामलें पंच पैनल एवं लीगल टीम को सौंप दिये गये हैं, जो की समयानुसार समाधान प्रक्रिया में आ जायेंगे।

जुलाई महीने में संगठन ने अपनी कार्यशैली के बारे में बताया जिसमें 42 आवेदन पत्र का समाधान कराया गया, जिसमें व्यापारी भाइयों को एक करोड़ 75 लाख रुपए की बड़ी रकम समाधान करवा कर दिलवाई गई है। आज के मुख्य एजेंडा पर व्यापारिक चर्चा करते हुए सभी व्यापारियों की सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि अगर व्यापारी भाइयों को बिना सहमति के 120 दिन या उससे लेट पेमेंट मिलेगा और अगर व्यापारी भाई आवेदन पत्र करेगा तो सूरत मर्केंटाइल एसोसिएशन उपरोक्त व्यापारी का नाम उसकी फोटो सभी ग्रुपों में वायरल करेगा और उस व्यापारी को संगठन द्वारा ब्लैक लिस्ट कर दिया जाएगा ताकि अन्य दूसरे व्यापारी लेट पेमेंट की तकलीफ से मुक्त हो सकें।मीटिंग का समापन स्वादिष्ट शानदार अल्पाहार के साथ सम्पन्न हुआ।

मीटिंग में ठएस एम एठ परिवार के अशोक गोयल, राजीव उमर,सुरेन्द्र अग्रवाल, महेश पाटोदिया, राजकुमार चिरानिया, दुर्गेश टिबडेवाल, मनोज अग्रवाल,राजेशगुरनानी,संदीप अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, रामकिशोर बजाज,संदीप गुप्ता, अरविंद जैन, मुकेशअग्रवाल,केवल असीजा, राजेन्द्र कनोडिया, बंसत माहेश्वरी, अनिल भाऊवाला, सुनील अग्रवाल आदि सदस्यों की सादर उपस्थिति रही।

सूरत टैक्सटाइल मार्केट के प्रसिद्ध व्यापारी मालू जी के प्रतिनिधि आए और उन्होंने संगठन का धन्यवाद किया जिसमें 6 माह पूर्व आपके द्वारा आवेदन पत्र दिया गया था जिसमें उनका 43 लाख रुपए एक व्यापारी से लेने थे और इस सप्ताह में उन्हें वह रुपए मिल गए है। संगठन का बहुत-बहुत धन्यवाद देते हुए वह बोले कि विश्व में पहला ऐसा अनोखा संगठन है जो निःशुल्क और निःस्वार्थ यह सेवा दे रहा है। आपने संगठन के उज्जवल भविष्य की मंगल कामना की।

चांदीपुरा वायरस के डर के बीच सूरत में बुखार और उल्टी के बाद दो लड़कियों की मौत हो गई

सूरतः28 जुलाई,

हर साल की तरह इस साल भी मानसून सीजन में बारिश के कारण सूरत समेत कई इलाकों में जलजनित और मच्छरजनित महामारी के मामले बढ़ रहे हैं. उस समय, रांदेर में बुखार और उल्टी से पीड़ित होने के बाद पांच वर्षीय लड़की की मृत्यु हो गई और सिंगनपुर में बुखार और उल्टी से पीड़ित होने के बाद तीन वर्षीय लड़की की मृत्यु हो गई।

स्मीमेर अस्पताल से प्राप्त विवरण के अनुसार, दाहोद के मूल निवासी और वर्तमान में रांदेर क्षेत्र में एसएमसी आवास में रहने वाले विजय मावी की पांच वर्षीय बेटी सोनाक्षी एक सप्ताह से बुखार से पीड़ित थी। उसे कल रात उल्टी हुई थी. इसके बाद आज सुबह उनकी तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश हो गए और उन्हें इलाज के लिए स्मीमेर अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। लड़की के पिता रिक्शा चलाते हैं.

एक अन्य घटना में, उड़ीसा के मूल निवासी और अब सिंगनपुर के गंगोत्रीनगर में रहने वाले रांका स्वाई की तीन वर्षीय बेटी सालिनी आज सुबह बुखार और उल्टी से पीड़ित हो गई। इसलिए उसे उपचार के लिए स्मीमेर अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। जहां डयूटी पर मौजूद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया. लड़की के पिता लूम्स अकाउंट में काम करते हैं।

आज दो औरबच्चियों की मौत ऐसे समय में हुई जब सूरत शहर के विभिन्न इलाकों में जलजनित और मच्छर जनित बीमारी बढ़ रही है।

207 मंदिरों को तोड़ने के नोटिस के बाद भड़के हिंदू संगठन, हिंसक आंदोलन की आशंका

गांधीनगरः जब सिस्टम ने गांधीनगर शहर और जिले की 207 धार्मिक इकाइयों को सबूत जमा करने के लिए नोटिस दिया है, तो अब हिंदू संगठन इस मामले में विरोध प्रदर्शन की योजना बना रहे हैं. मंगलवार को विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने गांधीनगर स्थित भारत माता मंदिर पर एकत्रित होकर कलेक्टर को आवेदन सौंपने का निर्णय लिया है.

उत्पीड़न को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दिए गए हलफनामे के बाद उत्पीड़न दूर करने का मुद्दा प्रदेश और जिलों में चर्चा का केंद्र बन गया है. गांधीनगर जिला प्रशासन ने शहर और जिलों की 207 धमक इकाइयों को भी नोटिस भेजा और उनसे आग्रह किया कि अगर उनके पास इस जगह के सबूत हैं तो वे पेश करें। हालांकि इन नोटिसों को लेकर हिंदू संगठनों में काफी गुस्सा फैल गया है.

इस मामले में जहां शुरू से ही विरोध हो रहा है, वहीं अगले कुछ दिनों में हिंदू संगठनों द्वारा आंदोलन शुरू करने की भी योजना बनाई जा रही है. हालांकि, इससे पहले मंगलवार को विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने इस मामले में जिला कलेक्टर को याचिका सौंपने का फैसला किया है. मंदिरों को बचाने के लिए धर्मप्रेमी जनता और मंदिरों के ट्रस्टियों व पुजारियों को दोपहर 2.30 बजे सेक्टर-7 स्थित भारत माता मंदिर पर एकत्रित होने का आह्वान किया गया है और उसके बाद रैली के रूप में प्रार्थना पत्र दिया जाएगा। कलेक्टर कार्यालय. हालाँकि, याचिका दिए जाने के बाद भी यदि सिस्टम खतरनाक स्थानों से दबाव हटाने का निर्णय लेता है, तो हिंसक आंदोलन का खतरा है। गौरतलब है कि साल 2008 में राज्य की राजधानी में ही सरकार के निर्देश पर 300 से ज्यादा छोटे-बड़े मंदिरों को तोड़ दिया गया था, अब देखना यह है कि सरकार इस बार क्या फैसला लेती है.

निर्विशेध चुनाव जीतने वाले भाजपा सांसद को हाईकोर्ट का समन

अहमदाबाद, २८ जुलाई ।

गुजशत हाईकोर्ट ने सूश्त से भाजपा सांसद मुकेश दलाल को समन जाशी किया है। कांग्रेस प्रत्याशी नीलेश कुंभानी का नामांकन खाशिज होने औश अन्य उम्मीदवाशें द्वाश नामांकन वापस लेने के बाद २२ अप्रैल को मुकेश दलाल को विजेता घोषित किया गया था। अब कांग्रेस के चाश सदस्यों ने शिटर्निंग ऑफिसश के फैसले को चुनौती दी है। दश्असल प्रस्तावकों की वजह से नीलेश का नामांकन श्द्द किया गया था।

सूश्त लोकसभा सीट से निर्विशेध चुनाव जीतने वाले भाजपा सांसद मुकेश दलाल को गुजशत उच्च न्यायालय ने समन जाशी किया है। नौ अगस्त तक उन्हें अपना जवाब दाखिल कश्ना होगा। कांग्रेस के चाश सदस्यों ने याचिका दाखिल कश पार्टी प्रत्याशी नीलेश कुंभानी का नामांकन खाश्जि कश्ने के सूश्त कलेक्टश औश शिटर्निंग ऑफिसश के फैसले को चुनौती दी है।

याचिकाकर्ताओं के वकील पीएस चंपानेशी ने शविवाश को जानकाशी दी है कि न्यायमूर्ति जेसी दोशी की अदालत ने सासंद मुकेश दलाल को समन जाशी कश नौ अगस्त तक जवाब देने का निर्देश दिया है। २५ जुलाई को मामले की सुनवाई हुई थी।

फतेगंज में कार से लाखों की संदिग्ध ड्रग्स जब्त, दो आरोपी भी धरे गए

वडोदरा (ईएमएस) शहर के फतेगंज ब्रिज के नीचे पार्किंग से लाखों की संदिग्ध एमडी ड्रग्स जब्त की गई। पुलिस ने पार्किंग में खड़ी एक कार से दो आरोपियों को संदिग्ध एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया हैं जानकारी के मुताबिक दोनों आरोपी डिजायर कार से शहर में ड्रग्स की डिलीवरी करने आये थे दोनों ड्रग तस्कर मेहसाणा के बताए गए हैं। हांलाकि एमडी ड्रग्स को लेकर एफएसएल टीम के सत्यापन के बाद ही सही तथ्य सामने आएंगे। पुलिस को करीब 20 से 25 लाख की एमडी ड्रग होने का शक है। गौरतलब है राज्य में मादक पदार्थ पकड़े जाने का सिलसिला थम नहीं रहा है। राज्य से नशीली दवाओं के प्रदूषण को दूर करने के लिए समय-समय पर अभियान चलाए जाते हैं। इसके बावजूद अब राज्य से ड्रग्स मिलने की घटना सामने आ रही हैं वैसे तो राज्य के अलग-अलग तटों से ड्रग्स मिलने की घटनाएं आए दिन सामने आती रहती हैं, लेकिन अब वडोदरा से एमडी ड्रग्स बरामद हुई हैं पिछले हफ्ते ही एसओजी ने राजकोट से 9.85 लाख की एमडी ड्रग्स के साथ पार्थ मकवाना और साहिल सोढ़ा नामक आरोपियों को गिरफ्तार किया थी पकड़े गए आरोपी मुंबई से ड्रग्स लाकर मुंबई में पुड़िया बनाकर ढाई हजार में बेचते थे

बाइक लोन की उगाही से तंग आकर युवक ने नदी में कूदकर जान दे दी

सूरत (ईएमएस) शहर के डिंडोली क्षेत्र में रहनेवाले 23 वर्षीय एक युवक ने तापी नदी में कूदकर अपनी जान दे दी तापी नदी के ब्रिज पर खड़ी मृतक युवक की बाइक और एक डायरी मिली है, जिसमें फाइनांस कंपनी से ली गई लोन और उसकी उगाही से तंग आकर आत्महत्या करने का उल्लेख किया गया हैं जानकारी के मुताबिक सूरत के डिंडोली क्षेत्र के सायंस सिटी में रहनेवाला 23 वर्षीय कुंजल जशवंत राठौड़ स्विगी में फूड डिलीवरी का काम करता थी तीन बहनों के इकलौते भाई कुंजल ने शुक्रवार की शाम तापी नदी में कूदकर आत्महत्या कर ली खबर पाते ही फायर विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई और नदी में कुंजल की तलाश शुरू कर दी हांलाकि काफी मशक्कत के बाद कुंजल नहीं मिला शनिवार को भी उसकी तलाश की गई कई घंटों की मशक्कत के बाद आखिरकार कुंजल का शव नदी से बरामद कर पुलिस को सौंप दिया गया दूसरी ओर शुक्रवार को तापी नदी के ब्रिज से कुंजल की बाइक और एक डायरी मिली आत्महत्या से पहले कुंजल ने डायरी में स्युसाइड लिखा थी जिसमें आत्महत्या का कारण एलएन्डटी फाइनांस कंपनी की कड़ी उगाही बताया गया थी कुंजल ने स्युसाइड नोट में लिखा कि मेरा एक ईएमआई बाउंस हुआ था और उसके लिए कंपनी मुझे मंगलवार तक समय नहीं दे रही थी फाइनांस कंपनी से मैंने काफी अनुरोध किया, लेकिन उसने मेरी एक बात नहीं सुनी दूसरी ओर शव घर पहुंचने से पहले ही फाइनांस कंपनी मृतक के परिजनों से बकाया लोन की उगाही करने लगी मृतक की बहन ने जब कंपनी को बताया कि किश्त देनेवाला ही अब इस दुनिया में नहीं रहा इसके जवाब में कंपनी के कर्मचारी ने कहा कि अगर तुम्हारा भाई नहीं रहा तो लोन की किश्ते तुम्हें चुकानी होंगी

कीचड़ में दो कदम नहीं चल पाए डिप्टी मेयर, फायर अधिकारी की पीठ पर लदकर मौके पर पहुंचे

सूरत (ईएमएस) जनता के वोट से चुने जाते नेता कितने जन हितैषी हैं यह उनके महत्वपूर्ण पद पर बैठने के बाद पता चलता हैं जनता अपने क्षेत्र के विकास की उम्मीद के साथ ऐसे नेताओं को चुनती है, लेकिन संकट के समय इनकी असलियत सामने आती हैं सूरत के डिप्टी मेयर बारिश से बिगड़े हालात का जायजा लेने गए थे, लेकिन कीचड़ में दो कदम भी नहीं चल पाए और फायर विभाग के अधिकारी की पीठ पर लदकर घटनास्थल तक पहुंचे बता दें कि भारी बारिश ने सूरत की सूरत बिगाड़ कर रख दी हैं सूरत के पर्वत पाटिया क्षेत्र में खाडी की बाढ़ में डूबे एक युवक का शव चार दिन के बाद बरामद हुआ हैं क्षेत्र में पानी उतरने के बाद सूरत के उप महापौर नरेन्द्र पाटील बाढ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेने गए थे लेकिन क्षेत्र की सड़कें और फूटपाथ पर कीचड़ का साम्राज्य थी उप महापौर कीचड़ में दो कदम नहीं चल पाए और फायर विभाग के अधिकारी की पीठ पर लदकर घटनास्थल पर पहुंचे घटना को लेकर विवाद होने पर अपनी पीठ पर लादने वाले फायर विभाग के अधिकारी ने उप महापौर का बचाव किया

राजकोट पुराने एयरपोर्ट की जमीन बेचकर होगी 2500 करोड़ की भारी कमाई

राजकोटः राजकोट शहर से 30 किमी की दूरी पर हेरासर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण के बाद, राजकोट शहर में पुराने हवाई अड्डे के भूमि उपयोग के बारे में चर्चा हुई। हालाँकि, पुराने हवाई अड्डे की 236 एकड़ भूमि को जल्द ही वाणिज्यिक और आवासीय परियोजनाओं के रूप में विकसित किया जा सकता है। भारतीय हवाईअड्डा प्राधिकरण द्वारा सभी हवाईअड्डे संचालन को हेरासर में स्थानांतरित करने के बाद, सिस्टम का लक्ष्य भूमि का निपटान करके 2,500 करोड़ रुपये की वसूली करना है।

प्राप्त विवरण के अनुसार, हीरासर में नए हवाई अड्डे की लागत वसूलने के लिए पुराने हवाई अड्डे की भूमि के मुद्रीकरण की सुविधा के लिए 2019 में राज्य सरकार और भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। जब केंद्र सरकार के नागरिक या उड्डयन मंत्रालय ने राजकोट अंतर्राष्ट्रीय ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दी, तो मंजूरी की शर्तों में से एक यह थी कि राज्य सरकार एएआई की मौजूदा राजकोट भूमि के मुद्रीकरण या उपयोग की अनुमति देगी और सुविधा प्रदान करेगी। और दूसरी शर्त यह थी कि 'हिरासर में नए ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे के चालू होने के बाद राजकोट में मौजूदा एएआई हवाई अड्डे पर परिचालन बंद कर दिया जाना चाहिए।'

यदि पुराने हवाई अड्डे की 236 एकड़ जमीन में से 200 एकड़ जमीन पर प्लाटिंग कर उसे बेचा जाए तो इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि नगर पालिका ने पूर्व में रेस कोर्स की जमीन बेची थी और उसके आसपास के विकास को भी ध्यान में रखा जाए तो इसकी लागत करीब 8 लाख वर्ग मीटर होगी। 15,000 करोड़ मीटर जमीन होगी. सिस्टम ने जमीन का निस्तारण कर 2,500 करोड़ रुपये वसूलने का लक्ष्य रखा है, ताकि नए एयरपोर्ट की लागत निकाली जा सके. इसके मुकाबले नए एयरपोर्ट के निर्माण की कुल लागत महज 1400 करोड़ रुपये है.

एक तरफ राजकोट खूब विकास कर रहा है. शहर का जनसंख्या घनत्व भी बढ़ रहा है। ऐसे में यह बहुत जरूरी है कि सरकार के स्वामित्व वाली इस जमीन को खुला रखा जाए या किसी अन्य पर्यावरणीय उद्देश्य के लिए इस्तेमाल किया जाए। एक मांग यह भी है कि सिस्टम को बिल्डरों या मकान मालिकों के हितों के बजाय लोगों के हित को ध्यान में रखकर फैसले लेने चाहिए।

शक्तिसिंह गोहिल ने गुजरात में भारी बारिश से हुई तबाही को लेकर सरकार पर किए कड़े प्रहार

अहमदाबाद (ईएमएस) राज्यसभा सांसद और गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख शक्तिसिंह गोहिल ने राज्य में मानसूनी बारिश से हुई तबाही को लेकरसरकार पर कड़े प्रहार करते हुए कई गंभीर आरोप भी लगाएं कांग्रेस गोहिल ने आरोप लगाया है कि गुजरात में भारी बारिश से पोरबंदर के घेड क्षेत्र में हुई तबाही के बाद भी राज्य सरकार ने समय पर पुनर्वास, बचाव और राहत कार्य नहीं किया चौबीस घंटे की अवधि में 17 इंच तक की भारी से बहुत भारी वर्षा ने पूरे क्षेत्र को पानी पानी कर दिया था। बारिश का पानी लोगों के घरों में घुस गया वहीं दूसरी ओर खेतों में लहलहाती फसलें भी तबाह हो गईं शक्तिसिंह गोहिल ने कहा कि राज्य में विशेषकर नवसारी, सोनगढ़, पोरबंदर, द्वारका, घेड में अकल्पनीय तबाही हुई हैं ऐसे कठिन समय में सरकार को जो बचाव, राहत और पुनर्वास कार्य करना चाहिए था, बिलकुल नहीं किया गया पिछले सप्ताह पेश हुए केंद्रीय बजट में भी गुजरात को बाढ़ राहत के लिए जरूरी रुपये आवंटित नहीं किये गये हैं

सौराष्ट्र में आजी और राजकोट में भादर सहित डेमो खाली हैं

राजकोटः गुजरात में मेघराजा सौराष्ट्र में मध्यम बारिश हुई है. फिलहाल जूनागढ़, जामनगर, पोरबंदर, देवभूमि द्वारका समेत सौराष्ट्र के जिले भारी बारिश से प्रभावित हैं. लेकिन सौराष्ट्र के राजकोट जिले में जल निकायों की स्थिति को लेकर अभी भी चिंता बनी हुई है. हालाँकि, इनजलाशयों मेंसौराष्ट्र के प्रमुख जलाशय भादर 1, अजी शामिल हैं।

राजकोट जिले के सबसे बड़े जलाशय भादर 1 की स्थिति पर विचार करें तो इसमें वर्तमान में केवल 21.20 फीट पानी है। हालाँकि, इसकी गहराई 34 फीट है। इसलिए ओवरफ्लो होने में अभी 12.80 फीट की दूरी बाकी है। आज, एजी 1 का स्तर 20.30 फीट तक पहुंच गया है क्योंकि राजकोट शहर को पर्याप्त पानी मिल रहा है, लेकिन अभी भी 8 फीट पानी बाकी है। जबकि न्यारी 1 का वर्तमान स्तर 14.90 फीट है, ओवरफ्लो होने में अभी भी 10.20 फीट बाकी है।

इसके अलावा राजकोट जिले के अन्य जलाशयों में संग्रहित पानी की मात्रा की बात करें तो भादर 1 में 33.44 प्रतिशत, आजी 1 में 47.15 प्रतिशत, आजी 3 में 58.90 प्रतिशत, सुरवो 2 में 38.81 प्रतिशत, डोंडी में 65.79 प्रतिशत, 0.22 गोंदली में प्रतिशत, वाचपरी में 2.81 प्रतिशत, वेरी में 1.08 प्रतिशत, न्यारी 1 में 37.06 प्रतिशत, मोतीसर में 3.82 प्रतिशत सहित जलस्त्रोत हैं।

सौराष्ट्र को अभी भी सार्वभौमिक वर्षा की सख्त जरूरत है। राजकोट में पहली अच्छी बारिश में लबालब हो जाने वाली लालपरी झील इस साल अभी भी 7 फीट के स्तर पर है. चूंकि राजकोट में इस साल केवल 15 इंच बारिश हुई है, इसलिए लालपरी झील भी खाली है। हालाँकि, अन्य जलाशयों की स्थिति भी चिंता का कारण है।

वड़ोदरा से चलने वाली वड़ोदरा - सियालदह सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन के फेरे बढ़ाये गये

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से विशेष किराए पर वड़ोदरा मण्डल से चलने वाली सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित किये गये हैं। इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः-

1.ट्रेन संख्या 03110 वड़ोदरा-सियालदह साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल को 01 अगस्त, 2024 तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 26 सितम्बर, 2024 तक विस्तारित किया गया है। यह ट्रेन वड़ोदरा से हर गुरुवार को 16:45 बजे प्रस्थान करेगी और शनिवार रात 02:50 बजे सियालदह पहुंचेगी। इसी प्रकार, वापसी में

2. ट्रेन संख्या 03109 सियालदह-वड़ोदरा साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल को 30 जुलाई, 2024 तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 24 सितम्बर, 2024 तक विस्तारित किया गया है। यह ट्रेन सियालदह से हर मंगलवार को 08:10 बजे प्रस्थान करेगी और बुधवार 20:00 बजे वड़ोदरा पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में गोधरा, रतलाम, कोटा, श्री महावीरजी, आगरा फोर्ट, टूंडला, कानपुर सेंट्रल, प्रयाग राज, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, पटना, बख्तियारपुर, मोकामा, किऊल, झाझा, जसीडीह, मधुपुर,चित्तरंजन,आसनसोल, दुर्गा पुर, और बर्धमान स्टेशनों पर रुकेगी।

ट्रेन संख्या 03110 के विस्तारितफेरो की बुकिंग 29 जुलाई, 2024 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव के समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indian rail. gov .in. पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वड़ोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96